

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



गजरौला-हसनपुर चीनी मिल में आए दिन तकनीकी खराबी से किसान पेज: 3

बैचलर पार्टी डी यू स मेंपेरिस लक्ष्मी की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 230 | मंगलवार 24 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

भारत-नेपाल के बीच साउथ एशिया सैटेलाइट के उपयोग हेतु सैटकॉम नेटवर्क स्थापित करने के लिए समझौता



नई दिल्ली: भारत और नेपाल ने आज सोमवार को दक्षिण एशिया उपग्रह (साउथ एशिया सैटेलाइट) के उपयोग के लिए सैटेलाइट कम्युनिकेशन नेटवर्क स्थापित करने संबंधी एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा सतत शहरी विकास, पशुपालन और मत्स्य विकास जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने के लिए कई अन्य समझौते किए गए। ये समझौते नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की मौजूदा नई दिल्ली यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित कुल आठ समझौता ज्ञापनों का हिस्सा हैं। सैटकॉम नेटवर्क से जुड़ा यह समझौता इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) और नेपाल सरकार के बीच हुआ है, जिसका उद्देश्य दक्षिण एशिया उपग्रह की संचार क्षमताओं का उपयोग कर दोनों देशों के बीच संपर्क और सूचना आदान-प्रदान को मजबूत बनाना है। भारत ने क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण एशिया उपग्रह (जीसैट-9) का प्रक्षेपण किया था। इस परियोजना का पूरा वित्तपोषण भारत ने किया और इसका निर्माण इसरो ने किया। लगभग 450 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना में उपग्रह की लागत करीब 235 करोड़ रुपए रही थी। 2,230 किलोग्राम वजनी यह संचार उपग्रह ऐसे क्षेत्रों में प्रभावी संचार, प्रसारण और इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने में सक्षम है, जहां भौगोलिक चुनौतियां अधिक हैं और तकनीकी संसाधन सीमित हैं। यह उपग्रह डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) सेवाओं,

> *इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान और राहत कार्यों के बेहतर समन्वय में भी यह उपग्रह उपयोगी साबित हो सकता है।*

मौसम संबंधी सूचनाओं, आपदा प्रबंधन और क्षेत्रीय संचार नेटवर्क को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से सहभागी देशों को दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, बैंकिंग सेवाएं, टेलीमेडिसिन, प्राकृतिक संसाधनों की मैपिंग और मौसम पूर्वानुमान जैसी सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान और राहत कार्यों के बेहतर समन्वय में भी यह उपग्रह उपयोगी साबित हो सकता है। दक्षिण एशिया उपग्रह में 12 केयू-बैंड ट्रांसपोंडर हैं, जिनका उपयोग 6 सहभागी देश संचार व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कर सकते हैं। प्रत्येक सदस्य देश को एक ट्रांसपोंडर उपलब्ध कराया जाता है, जिसके माध्यम से वे साझा दक्षिण एशियाई कार्यक्रमों के अलावा अपने खुद के कार्यक्रम भी प्रसारित कर सकेंगे। इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए संबंधित देशों को अपना ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा। भारत ने इस दिशा में आवश्यक तकनीकी सहायता और विशेषज्ञता उपलब्ध कराने की भी प्रतिबद्धता जताई है। यह उपग्रह (एसएएस) पृथ्वी के चारों ओर अपने जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में चक्कर लगा रहा है।

बाल-बाल बचे सांसद पप्पू यादव, गड्ढे में गिरी कार



पटना, एजेंसी। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव के काफिले की एक कार कटिहार में सड़क हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में सांसद पप्पू यादव बाल-बाल बच गए हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब पप्पू यादव कटिहार के सालमारी में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, कटिहार के कदवा थाना अंतर्गत कुम्हरी पेट्रोल पंप के पास उनके काफिले के साथ सुरक्षा में चल रही पुलिस की गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी सड़क से नीचे उतर गई। इस घटना में काफिले में मौजूद एक पुलिस कर्मी को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद सांसद पप्पू यादव ने कुम्हरी से ही पूर्णिया के लिए वापस लौटना उचित समझा और अपना निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कदवा थाना की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सड़क से नीचे उतरी दुर्घटनाग्रस्त पुलिस वाहन को बाहर निकालने की कार्रवाई की।

सीएम विजय की अपने सहयोगी दलों के विधायकों के साथ अहम बैठक

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय सोमवार को सहयोगी दलों के विधायकों से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक सीएम विजय ग्रीनवेज रोड स्थित अपने आधिकारिक आवास पर भेंट करेंगे, जहां उनका कार्यालय भी है और वे अक्सर अहम बैठकें करते हैं। इस बैठक में मुख्यमंत्री गठबंधन में शामिल विधायकों के साथ परामर्श करेंगे। यह बैठक दोपहर 2 बजे होगी, जिसमें राज्य सरकार का समर्थन करने वाले गैर-टीवीके विधायक शामिल हो सकते हैं। इनमें कांग्रेस, वीसीके, एमडीएमके, आईयूएमएल और वाम दलों के विधायक शामिल हैं। बता दें इससे पहले 1 जुलाई और 9 सितंबर को सीएम विजय की तरफ से बुलाई गई परामर्श बैठकों में वाम दलों सीपीआई और सीपीआई(एम) ने हिस्सा नहीं लिया था।

नोएडा सेक्टर-6 में प्लास्टिक सामान बनाने की कंपनी में भीषण आग

- आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया, कोई जनहानि नहीं

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-6 स्थित एक कंपनी में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग इसकी चपेट में आ गई। कंपनी में प्लास्टिक से सजावटी सामान बनाने का काम होता है। प्लास्टिक से बने उत्पाद और अन्य सामग्री मौजूद होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-6 में स्थित निजी कंपनी में देर रात आग लग गई। शुरुआत में कंपनी के अंदर से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। कुछ ही देर में आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग को तत्काल सूचना दी गई। पूरी बिल्डिंग में आग फैलने के कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने कई घंटों तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। इस दौरान बिल्डिंग के अंदर मौजूद गर्म हिस्सों और आग से प्रभावित स्थानों पर पानी डालकर उन्हें ठंडा किया गया ताकि अंदर सुलग रही आग दोबारा न भड़क सके। इस घटना में राहत की बात यह रही कि अब तक किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। हालांकि आग की चपेट में आने से कंपनी की बिल्डिंग और उसमें रखे सामान को कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जाना बाकी है। देर रात हुई इस घटना के बाद आसपास के इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। फिलहाल दमकल विभाग की टीम मौके पर कूलिंग की कार्रवाई में जुटी हैं।

मोदी और शाह की जोड़ी कोई साजिश रच रही या फिर झूठ के जाल में फंस गए

-संसद सत्र और परिसीमन को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने किया दावा

नई दिल्ली , एजेंसी। संसद सत्र और परिसीमन को लेकर बने सस्पेंस के बीच कांग्रेस ने दावा किया है कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी या तो कोई खतरनाक साजिश रच रही है, या फिर वे अपने ही बुने झूठ और दिखावे के जाल में फंस गए हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा- पीएम मोदी और अमित शाह की जोड़ी क्या खेल खेल रही है, अगर मान लें कि यह जोड़ी अभी भी साथ है? उन्होंने कहा कि यदि मान लें कि शीतकालीन सत्र होने वाला है तो अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब होगा। यदि मान लें कि इसे फिर से बुलाया जाने वाला है, तो अब तक देश को पता चल जाना चाहिए था कि मानसून सत्र को कब फिर से बुलाया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा में किसी तरह दो-तिहाई बहुमत जुटाने की इस जोड़ी की हताश कोशिशों को देखते हुए, देश को यह जानने का हक है कि परिसीमन को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह का फॉर्मूला क्या है। जयराम रमेश ने कहा क्थ् यह लगातार बना हुआ सस्पेंस साफ तौर पर दो बातें बताता है- पहला यह जोड़ी खुद उलझन में है और अपने ही बुने झूठ और दिखावे के



जाल में फंस गई है, या दूसरा- कोई बहुत खतरनाक साजिश रची जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि जो भी हो जीटीए यानी ज्ञानेश-थेफ्ट-अरेंजर्स की यह जोड़ी पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है। दुख की बात है कि संसद जैसी संस्था, जो पहले से ही काफी कमजोर हो चुकी है, इस खतरनाक जोड़ी की हरकतों की वजह से और भी ज्यादा कमजोर होती जा रही है। इससे पहले, साल 2025 में 5 नवंबर को तत्कालीन संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बताया था कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा और 20 दिसंबर को समाप्त होगा। हालांकि, मौजूदा स्थिति में सत्र को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

सूखे से निपटने को तैयार महाराष्ट्र: सुनेत्रा पवार ने बताए उपाय



मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घोषणा की कि राज्य सरकार सूखे की गंभीर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि प्रभावित 310 तालुकाओं में पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रभावी जल प्रबंधन और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के मौके पैदा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पुणे के बालेवाडी स्थित शिव छत्रपति खेल परिसर के दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि महायुति सरकार ने किसानों की मदद के लिए जल प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था की है।

उन्होंने बताया कि किसानों को बड़े पैमाने पर चारे की फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके लिए उन्हें आवश्यक बीज भी उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, नहरों और बांधों के आसपास रहने वाले किसानों से भी चारे की खेती करने का आग्रह किया गया है। महायुति सरकार इन किसानों से चारा खरीदेगी, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय होगी। रोजगार सृजन के संबंध में, डिप्टी सीएम पवार ने बताया कि महायुति सरकार ने रोजगार गारंटी योजना के तहत गर्मियों में विभिन्न कार्य कराने का प्रस्ताव रखा है, ताकि अधिक लोगों को काम मिल सके और उनकी आजीविका चलाने में मदद हो सके।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के कुल 358 तालुकाओं में से 310 को सूखाग्रस्त घोषित किया है। केंद्र से सहायता, विशेष रूप से किसानों को पांच-पांच हजार रुपये की अग्रिम राहत के संबंध में अपेक्षित समयसीमा के सवाल पर, उपमुख्यमंत्री ने कोई निश्चित जानकारी नहीं दी। हालांकि, उन्होंने दृढ़ता से कहा कि राज्य सरकार अपनी ओर से सूखे की इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह सज्ज है और सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

बीजेपी ने यूपी मिशन-2027 के लिए 403 विधानसभा सीटों पर चुनावी घेराबंदी की शुरू

- अगले महीने यूपी का दौर कर सकते हैं शाह, सियासी समीकरण साधने पर रहेगा जोर

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। अगले महीने से अमित शाह का उत्तर प्रदेश दौरा संभावित है। इस दौरान उनका फोकस संगठन को मजबूत करने, कमजोर सीटों पर पार्टी की स्थिति सुधारने और प्रदेश के सियासी समीकरण साधने पर रहेगा। माना जा रहा है कि शाह अपने दौरे के जरिए यूपी में बीजेपी के चुनावी अभियान की कमान संभालेंगे। गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित दौरे में इन सभी तैयारियों की समीक्षा के साथ चुनावी रोडमैप को अंतिम रूप देने पर जोर रह सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी कमजोर सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और बूथ स्तर तक संगठन को धार देने की रणनीति पर काम कर रही है। बीजेपी आने वाले दिनों में संगठन से लेकर जनसंपर्क तक अभियान और तेज कर सकती है। इसके साथ ही बीजेपी ने मिशन-2027 के लिए प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनावी घेराबंदी शुरू कर दी है। इसके तहत पार्टी ने 40 पर्यवेक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी है। हर दो जिलों के बीच एक पर्यवेक्षक तैनात किया गया है। ये पर्यवेक्षक गांव-गांव जाकर चौपाल लगाएंगे और केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगे। इसके साथ ही जनता के बीच सरकार के कामकाज को लेकर फीडबैक भी जुटाएंगे। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर पार्टी चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर केंद्रीय नेतृत्व को जानकारी देगी। वहीं संगठन को मजबूत करने के लिए बीजेपी ने छह क्षेत्रों में दूसरे राज्यों से आए संगठन मंत्रियों को भी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी का जोर उन इलाकों और सीटों पर विशेष रूप से है, जहां संगठन को और मजबूत करने की जरूरत है। बीजेपी की रणनीति के तहत संगठन, विकास और राष्ट्रवाद के मुद्दों को लेकर जनता के बीच पहुंचने की तैयारी है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी अपनी स्थिति को और मजबूत कर सके।

आरक्षण बिल पर सियासी हलचल: विपक्ष ने लगाया सांसद खरीद का आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी । संसद के बहुप्रतीक्षित शीतकालीन सत्र की तारीखों का अभी तक ऐलान नहीं हुआ है। इसी बीच, परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक और महिला आरक्षण बिल को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं, दावा किया जा रहा है कि सरकार के पास इन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए आवश्यक 40-50 सांसदों की संख्या कम पड़ रही है, जिसके चलते पार्टियों को तोड़ने और सांसदों की खरीद-फरोख्त की तैयारी की जा रही है।

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने दावा किया है कि इस संख्या को जुटा पाने में असमर्थता के चलते सत्ताधारी दल शीतकालीन सत्र को दांव पर लगा रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि सांसदों की खरीद के लिए प्रति सांसद 150 करोड़ रुपये की रकम तय की गई है। राउत के अनुसार, इस काम के लिए महाराष्ट्र सरकार के एक मंत्री को भी लगाया गया है, हालांकि उन्होंने इस दौरान किसी नेता का नाम नहीं लिया।



राउत ने अपने दावे में कहा, सरकार जिद और अहंकार पर उतर आई है। शीतकालीन सत्र इसलिए नहीं हो रहा है क्योंकि वे चाहते हैं कि परिसीमन बिल हम मंजूर कर लेंगे। यह उनका ईगो है और इस ईगो के लिए एक शीतकालीन सत्र खाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, देश, संविधान और संसद की चिंता नहीं की जा रही है, बल्कि यह तय किया गया है कि किसी भी हालत में परिसीमन बिल मंजूर किया जाएगा। इसके लिए जो 40-45 सांसदों का आंकड़ा कम पड़ रहा है, उसे छोटी-छोटी पार्टियों को खरीदकर या दबाव में लाकर पूरा किया जाएगा। अगर पार्टियां नहीं टूट रहीं, तो कुछ सांसदों को खरीद लेंगे।

राज्यसभा सांसद राउत ने सांसदों को खरीदने के लिए 150 करोड़ रुपये की पेशकश का दावा करते हुए कहा, यह भाजपा के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का भाव है एक सांसद का 150 करोड़। पार्टी का व्हिप तोड़कर वोट करो, आपको अयोग्य नहीं किया जाएगा। न ओम बिरला जी करेंगे, न चुनाव आयोग करेगा। आराम से पार्टी व्हिप तोड़कर वोट करो और 150 करोड़ रुपये लेकर जाओ। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूरा पैसा महाराष्ट्र से जाएगा और एक बड़े मंत्री ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हालांकि, इन आरोपों को सत्ता पक्ष ने सिरे से खारिज कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट ने राउत के दावों को झूठ का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने पलटवार करते हुए सवाल किया, 150 करोड़ रुपये दे रहे हैं, आपसे किसने बताया? उसको सामने लाओ और कहो न। दरअसल, सरकार परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने की तैयारी में है, जिसका उद्देश्य लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करना और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ करना है। इस विधेयक को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत यानी 361 वोटों की जरूरत होगी। 540 सदस्यों वाले मौजूदा सदन में, सत्ताधारी दल के पास 320 सदस्य हैं। ऐसे में, आवश्यक संख्या जुटाने के लिए उन्हें विपक्षी दलों के समर्थन की आवश्यकता होगी।

ऋषिकेश में विदेशी महिलाओं ने उठाया गंगा सफाई का बीड़ा, सोशल मीडिया पर लोग कर रहे तारीफ

देहरादून ,एजेंसी। उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है। वीडियो में कुछ विदेशी महिलाएं हाथों में दस्ताने पहने और काले कचरे के थैले लिए गंगा घाट पर फैला प्लास्टिक और अन्य कचरा साफ करती दिख रही हैं। चट्टानों के बीच दबी पन्नियां हों या रेत में पड़ा कूड़ा, ये महिलाएं बिना किसी दिखावे के, पूरी लगन से एक-एक चीज को उठाकर थैले में डाल रही हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर द्वारा साझा किए गए वीडियो को देखकर हर कोई हैरान है। वीडियो रिकॉर्ड करने वाले शख्स ने भी अपनी हैरानी जताकर कहा कि जहां लोग अपनी पवित्र नदी में कचरा फेंकने से बाज नहीं आते, वहीं दूसरे देशों से आई ये महिलाएं हमारी विरासत को बचाने की कोशिश कर रही हैं।

जब पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को खत्म करेगा तभी होगी द्विपक्षीय बातचीत

-पाक मंत्री मलिक के भारत दौरे पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान आया सामने

नई दिल्ली , एजेंसी। पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मसूद मलिक के भारत दौरे पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों के बावजूद मल्टीलेटरल फोरम की अपनी जगह है। उन्होंने दोहराया कि दोनों देशों के बीच बातचीत तभी शुरू हो सकती है, जब पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को खत्म कर दे। थरूर ने स्पष्ट किया कि जब तक पाकिस्तान अपने इलाके से चल रहे आतंकवादी ढांचे के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक भारत पहले की तरह द्विपक्षीय बातचीत फिर से शुरू नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि भले ही उन दिनों भी पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते काफी खराब थे, तो ये ऐसी बातें हैं जिन्हें आपको समझना होगा। मल्टीलेटरल फोरम की अपनी जगह है। थरूर ने आगे कहा कि जहां तक द्विपक्षीय रिश्तों की बात है, हमने यह साफ कर दिया है कि पहले जिस तरह की बाइलेटरल बातचीत होती थी, वह तभी फिर से शुरू हो सकती है जब पाकिस्तान अपने देश में आतंक के इंफास्ट्रक्चर को खत्म कर दे। उन्होंने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की स्थिति दोहराते हुए कहा कि आप ये टेररिस्ट कैंप, हेडक्वार्टर, ट्रेनिंग ग्राउंड वगैरह नहीं रख सकते जिनका इस्तेमाल रेगुलर तौर पर हमारे लोगों पर हिंसा करने के लिए किया जा रहा है और फिर बातचीत की उम्मीद करें। उन्होंने कहा कि कोई भी अपने सिर पर बंदूक तानकर बात नहीं करना चाहता और हम भी ऐसा नहीं करने वाले हैं।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के कार्यक्रम में शामिल होने आए पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मलिक ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इस विषय पर किसी भी तरह की चर्चा ठोस सबूतों के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरा क्षेत्र आतंकवाद की चपेट में है, इसलिए इसका समाधान भी सामूहिक रूप से मिलकर निकाला जाना चाहिए। मलिक ने यह भी वकालत की कि एक ऐसा फोरम बनाया जाना चाहिए, जहां इन सबूतों को सामने लाया जा सके और उसी आधार पर हर



मुद्दे का समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि पूरा क्षेत्र इस समस्या से जूझ रहा है और अगर आतंकवाद से निपटने में किसी का सबसे बड़ा हित है तो वह किसी और से ज्यादा पाकिस्तान का है।

संपादकीय

यमुना भी मैली

पिछले दिनों दिल्ली के यमुना तटों पर छठ पर्व के मौके पर रासायनिक झाग के बीच सूर्य को अर्घ्य देती महिला श्रद्धालुओं की तस्वीरों ने पूरे देश को विचलित किया। तंत्र की काहिली देखिए कि पर्व के दौरान भी श्रद्धालुओं को प्रदूषण मुक्त पानी वाले घाट नहीं मिल सके। लेकिन अब यमुना के पानी को जहरीले रसायनों वाले झाग से मुक्त करने के दावे किए जा रहे हैं। यह विडंबना ही है कि हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद यमुना और मैली हो गई है। मैली यमुना फैक्ट्री मालिकों और लोगों की आपराधिक लापरवाही तथा तंत्र की काहिली की दास्तां बयां करती है। यही वजह है कि पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने यमुना नदी में गिरने वाले 520 नालों और सफाई के सरकारी प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। विडंबना यही है कि जब तक कोई राजनीतिक दल विपक्ष में होता है, तब तक अपनी सुविधा के हिसाब से यमुना की सफाई पर सवाल उठाता है, लेकिन जब वही राजनीतिक दल सत्ता में आता है तो खामोशी ओढ़ लेता है। बहरहाल, पिछले कई दशकों से यमुना के प्रदूषित होने का प्रश्न पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी सार्वजनिक बहसों के केंद्र में रहा है। लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव की दृष्टि से सुविधा का मुद्दा ही रहा है। विपक्ष में हैं तो यमुना की सफाई को मुद्दा बनाया जाता है। सत्ता में आते ही चुप्पी साध ली जाती है। जाहिर है, इसकी सफाई के लिए ईमानदार प्रयास होते ही नहीं। यदि होते तो यमुना की यह दुर्दशा ही न होती। मौलिक सवाल यही है कि यदि यमुना की सफाई में हजारों करोड़ रुपये खर्च हुए हैं तो यमुना मैली की मैली क्यों है? आज वह दुनिया की सबसे प्रदूषित नदियों में क्यों शामिल है? सवाल सरकारों की इच्छाशक्ति का भी है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने यमुना की दुर्दशा पर लगातार सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने सख्त नाराजगी जताते हुए कहा कि यमुना की सफाई पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद प्रदूषण पहले के मुकाबले और कैसे बढ़ गया है? वह भारी-भरकम राशि कहां गई, जो सफाई पर खर्च की गई थी? आखिर क्या वजह है कि नदी का पानी उपयोग लायक नहीं रह गया? सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का भी उल्लेख किया कि गंदा पानी ले जाने वाले 520 नाले यमुना में क्यों गिराए जा रहे हैं? कोर्ट ने प्रश्न किया कि जिन विभागों की जिम्मेदारी यमुना में गंदे नालों को जाने से रोकने की थी, उन्होंने क्या किया?

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। 'न हिंसा -अहिंसा'- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सर्वांगीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।

असत् विचार हिंसा है। असत् वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत् चिंतन और असत् वाणी की तरह असत् व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत् और असत् दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत् शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

गुरु नानक देव ने फ़ैलाया जगत में ज्ञान का प्रकाश

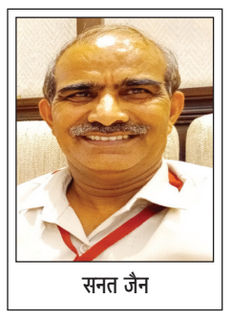

सनत जैन

अंधविश्वास और आडंबरों को दूर कर ज्ञान का प्रकाश सारे जगत में फैलाने वाले गुरु नानक का प्रकाश उत्सव यानि अवतरण दिवस कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है, हालांकि उनका वास्तविक जन्म 15 अप्रैल 1469 को हुआ था। गुरु नानक देव पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर जन्मे थे। उनके माथे पर शुरू से ही तेज आभा बनी हुई थी। तलवंडी जो अब पाकिस्तान के लाहौर से 30 मील दूर पश्चिम में स्थित है, गुरु नानक का नाम साथ जुड़ने के बाद ननकाना कहलाया। गुरु नानक के प्रकाश उत्सव पर प्रति वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है।

बचपन में जब नानक देव के अन्य साथी बच्चे खेल कूद में व्यस्त होते थे तो वह अपने नेत्र बंद कर चिंतन मनन में खो जाते थे। यह देख उनके पिता कालू एवं माता तृप्ता चिंतित हो जाते थे। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा ,लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते और वे उनके ज्ञान व प्रतिभा को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर इस संसार में भेजा है। नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भी भेजा गया लेकिन वह भी नानक के प्रश्नों से निरुत्तर हो गए। अन्ततः नानक देव ने घर बार छोड़ दिया और दूर देशों में भ्रमण करना शुरू किया। इससे उपासना का सामान्य स्वरूप स्थिर करने में उन्हें बड़ी सहायता मिली। उन्होंने कबीरदास की निर्गुण उपासना का प्रचार पंजाब से आरंभ किया और वे सिख संप्रदाय के आदिगुरु बन हुए।

गुरु नानक देव का विवाह सन सन1485 में बटाला निवासी कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके दो पुत्र श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द हुए। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु यह सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। उनके पिता ने उन्हें घोड़ों का व्यापार करने के लिए जो राशि दी थी, वह भी नानक जी ने साधु सेवा में लगा दी। कुछ समय बाद नानक जी अपने बहनोई के पास सुल्तानपुर चले गये। वहां वे सुल्तानपुर के गवर्नर दौलत खां के यहां मादी रख लिये गये। नानक जी अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करते थे और जो भी आय होती थी, उसका ज्यादातर हिस्सा साधुओं और गरीबों को दे देते थे।

सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्ध्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ। इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की यात्राएं भी कीं और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में आकर बस गये और सन1521 ई. से सन1539 ई. तक वहीं रहे।

गुरु नानक देव ने जात-पांत को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर प्रथा शुरू की । लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है। गुरु नानक देवजी का जन्मदिन प्रतिवर्ष गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिन पहले से ही प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं। जगह-जगह भक्त लोग पानी और शरबत आदि की व्यवस्था करते हैं। गुरु नानक जी का निधन सन सन1539 ई. में हुआ। उन्होंने गुरुगद्दी का भार गुरु अंगददेव (बाबा लहना) को सौंप दिया थाऔर स्वयं करतारपुर में ज्योति में लीन हो गए।

गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। नाम-



स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत-प्रोत है। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन की दस शिक्षाएं दीं जो यहां प्रस्तुत हैं,

ईश्वर एक है,सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो। ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है। ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए। बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं। सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए। मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से ज़रूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए। सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं। भोजन शरीर को ज़िंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।गुरु नानक देव की दी हुई शिक्षा से समाज मे व्यापक जागृति आई और वे सिर्फ सिख धर्म ही नही सम्पूर्ण समाज के प्रेरक बने।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भरोसे शासन? गलती मशीन की, भुगतेगा नागरिक!



डॉ. प्रियंका सौरभ

सरकारें आज तकनीक के सहारे तेज, पारदर्शी और प्रभावी शासन का दावा कर रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रशासनिक सुधार, जनसेवा और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया औजार बताया जा रहा है। सरकारी कार्यालयों में नागरिकों के प्रश्नों के उत्तर देने से लेकर योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान, शिकायतों के विश्लेषण और निर्णय प्रक्रिया तक एआई का प्रवेश तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन तकनीक के चमकदार प्रचार के बीच एक बुनियादी सवाल दबता जा रहा है–यदि मशीन गलत निर्णय देगी, तो नागरिक न्याय के लिए किस दरवाजे पर दस्तक देगा? शासन में एआई का प्रयोग सुविधा का विषय जरूर है, लेकिन इसे जवाबदेही से मुक्त प्रयोगशाला नहीं बनाया जा सकता।

जनरेटिव एआई की सबसे खतरनाक प्रवृत्ति यह है कि वह गलत जानकारी भी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर सकता है। वह ऐसे नियम, तथ्य, आँकड़े या पात्रता शर्तें बता सकता है, जो वास्तविकता में मौजूद ही न हों। आम नागरिक मशीन के उत्तर को सरकारी प्रमाणिकता समझ सकता है। यदि किसी वृद्ध व्यक्ति को पेंशन की पात्रता गलत बता दी जाए, किसी विद्यार्थी को छात्रवृत्ति के संबंध में भ्रमित कर दिया जाए या किसी किसान को सरकारी योजना की गलत जानकारी मिल जाए, तो नुकसान केवल तकनीकी त्रुटि नहीं रह जाता; वह नागरिक के अधिकार पर चोट बन जाता है। सरकार के लिए एआई की गलती एक आँकड़ा हो सकती है, लेकिन नागरिक के लिए वह भूख, आर्थिक संकट, अवसर की हानि और निराशा बन सकती है।

विडंबना यह है कि सरकारी व्यवस्था में पहले से मौजूद मानवीय लापरवाही, अस्पष्ट नियम और लालफीताशाही को यदि बिना सुधार किए एआई के हवाले कर दिया जाए, तो समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि उसका डिजिटल विस्तार हो जाएगा। गलत व्यवस्था को मशीन से चलाने पर वह सही व्यवस्था नहीं बन जाती। यदि पुराना डेटा भेदभावपूर्ण है, तो एआई उसी भेदभाव को नए रूप में आगे बढ़ा सकता है। यदि प्रशासनिक सोच नागरिकों के प्रति संवेदनशील नहीं है, तो तकनीक संवेदनशीलता पैदा नहीं कर सकती। मशीन के पास गति हो सकती है, लेकिन न्यायबोध, सामाजिक अनुभव और मानवीय विवेक का विकल्प नहीं।

एल्गोरिद्मिक पक्षपात शासन के लिए गंभीर खतरा है। भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र, भाषा और आर्थिक स्थिति से जुड़ी असमानताएँ पहले से मौजूद हैं। यदि इन्हीं असमानताओं से प्रभावित आँकड़ों के आधार पर एआई निर्णय लेने लगे, तो वंचित नागरिकों के साथ भेदभाव और अधिक अदृश्य हो सकता है। पहले अन्याय का चेहरा दिखाई देता था, अब वह गणना और तकनीकी प्रक्रिया के पीछे छिप सकता है। किसी व्यक्ति को योजना से बाहर कर दिया जाए और कारण केवल यह बताया जाए कि प्रणाली ने उसे योग्य नहीं पाया, तो यह आधुनिक प्रशासन नहीं, डिजिटल निरंकुशता का नया रूप होगा।

निजता के मामले में भी सरकारों को आत्ममंथन करना चाहिए। नागरिक पहले ही अपनी पहचान, बैंक खाते, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य विवरण अनेक सरकारी प्रणालियों में उपलब्ध करा चुके हैं। क्या अब इन जानकारियों को एआई प्रशिक्षण और विश्लेषण के नाम पर अनियंत्रित रूप से इस्तेमाल किया जाएगा? क्या नागरिक की जानकारी पर सरकार का अधिकार असीमित है? डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का प्रश्न नहीं, नागरिक की गरिमा और स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि संवेदनशील जानकारी लीक होती है, तो उसकी जिम्मेदारी केवल किसी सर्वर या सॉफ्टवेयर पर डालकर समाप्त नहीं की जा सकती। सबसे चिंताजनक स्थिति जवाबदेही के धुंधले पड़ने की है। सरकारी अधिकारी कह सकता है कि निर्णय प्रणाली के सुझाव पर लिया गया, तकनीकी कंपनी कह सकती है कि उसने केवल उपकरण दिया, और विभाग कह सकता है कि प्रक्रिया स्वचालित थी। अंततः नागरिक किसे जवाबदेह ठहराए? लोकतंत्र में जिम्मेदारी का कोई रिक्त स्थान नहीं हो सकता। मशीन के पीछे छिपकर निर्णय लेने वाले अधिकारियों को प्रशासनिक उत्तरदायित्व से बचने की अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकारी निर्णय में एआई का इस्तेमाल हुआ है, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अंतिम निर्णय किसने लिया और उसके परिणामों की जिम्मेदारी किसकी है।

शासन में एआई के उपयोग पर पारदर्शिता कोई कृपा नहीं, नागरिक का अधिकार होना चाहिए। नागरिक को बताया जाए कि उसके आवेदन, शिकायत, पात्रता या किसी अन्य प्रक्रिया में एआई की भूमिका है या नहीं। निर्णय का आधार क्या है, संबंधित जानकारी कहाँ से आई और यदि निर्णय गलत है तो उसे चुनौती देने का रास्ता क्या है–इन सवालों के उत्तर उपलब्ध होने चाहिए। तकनीकी जटिलता को जवाबदेही से बचने का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

जनता ने नकार दिया भजनलाल शर्मा का नेतृत्व ! अपने भी बैठे हैं नाराज, क्या अब सीएम बदलेंगे मोदी-शाह?



राजस्थान की राजनीति में गांवों की चौपाल से उठने वाला संदेश अक्सर सत्ता के गलियारों तक पहुंचते-पहुंचते बड़ा सियासी सवाल बन जाता है। पंचायत चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर सामने आई तस्वीर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व, सरकार की कार्यशैली और प्रदेश भाजपा संगठन के भीतर तालमेल को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा ने जिस राजनीतिक उम्मीद के साथ भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी, उस उम्मीद के बाद अब तक हुए चुनावी पड़ावों को लेकर पार्टी के सामने आत्ममंथन की स्थिति बनी हुई है। सवाल केवल पंचायत चुनावों में हार-जीत का नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक दिशा का है जिसके सहारे भाजपा राजस्थान में अपना जनाधार मजबूत रखने की कोशिश कर रही थी।

देखा जाये तो राजस्थान की सियासत में मुख्यमंत्री का पद केवल प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी नहीं होता, बल्कि पार्टी के अलग-अलग धड़ों, क्षेत्रीय क्षत्रपों, संगठन और जनता के बीच राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भी जिम्मेदारी होती है। भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में इन सभी मोर्चों पर समन्वय को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि भाजपा के लिए राजस्थान में राजनीतिक चुनौती की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनावों से ही हो गई थी। विधानसभा चुनावों में 115 सीटें जीतकर सत्ता में आई भाजपा लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 25 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी थी, लेकिन उसे 14 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने 11 सीटें हासिल कर भाजपा के उस राजनीतिक दबदबे को चुनौती दी, जिसे पार्टी विधानसभा चुनावों की जीत के बाद अपनी बड़ी उपलब्धि मान रही थी।

इसके बाद इस साल सितंबर में हुए शहरी निकाय चुनावों की तस्वीर भी भाजपा के लिए पूरी तरह एकतरफा नहीं रही। प्रदेश के 7,475 शहरी वार्डों में भाजपा को 3,054 और कांग्रेस को 2,786 सीटें मिलीं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी 1,635 वार्डों में जीत दर्ज की। दस नगर निगमों में भाजपा पांच में आगे रही, कांग्रेस तीन में और एक में निर्दलीय आगे रहे, जबकि जोधपुर में मुकाबला बराबरी का रहा। यानी शहरी निकायों में भी भाजपा को ऐसा निर्विवाद जनसमर्थन नहीं मिला, जिसकी उम्मीद सत्ता में बैठी पार्टी कर सकती थी। अब पंचायत चुनावों ने इस राजनीतिक तस्वीर को और स्पष्ट कर दिया है। गांवों में भाजपा को जिस तरह कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों से चुनौती मिली, उसने प्रदेश सरकार के लिए नई राजनीतिक परिस्थिति पैदा कर दी है।

देखा जाये तो राजस्थान के 37 जिलों में आए पंचायत चुनाव परिणाम भाजपा के लिए खासे महत्वपूर्ण हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति के नतीजों में कांग्रेस ने भाजपा से कहीं अधिक सीटें हासिल कीं। पंचायत समिति के 7,543 वार्डों में कांग्रेस ने 3,758 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2,213 सीटों पर सिमट गई। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 497 और भारत आदिवासी पार्टी को 278 सीटें मिलीं। जिला परिषद की 1,275 सीटों में भी कांग्रेस ने 794 और भाजपा ने 357 सीटें हासिल कीं। 37 जिलों में से 23 में कांग्रेस को बहुमत मिला, जबकि भाजपा पांच जिलों में बहुमत हासिल कर सकी। आठ जिलों में निर्दलीय निर्णायक स्थिति में रहे।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा की चुनौती केवल कांग्रेस तक सीमित नहीं रही। पश्चिमी राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की आरएलपी और आदिवासी क्षेत्रों में बीएपी की मौजूदगी ने यह दिखाया कि ग्रामीण राजनीति में स्थानीय नेतृत्व और क्षेत्रीय मुद्दों की अपनी ताकत है। वैसे भी पंचायत चुनावों में मतदाता केवल जयपुर या दिल्ली के राजनीतिक नारों पर नहीं, बल्कि अपने इलाके के प्रतिनिधियों और स्थानीय समस्याओं पर भी फैसला करते हैं।

साथ ही मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में भी आरएलपी के उम्मीदवारों की जीत ने इन चुनावों को और राजनीतिक महत्व दे दिया। देखा जाये तो भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने राजस्थान में एक नया राजनीतिक प्रयोग किया था। पार्टी ने अनुभवी और स्थापित चेहरों के बजाय पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा को प्रदेश की कमान सौंपी थी। यह फैसला पूरी तरह केंद्रीय नेतृत्व का था और इसके पीछे संगठनात्मक तथा राजनीतिक रणनीति काम कर रही थी। लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को साधने की थी। राजस्थान में भाजपा की राजनीति लंबे समय से वसुंधरा राजे के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। ऐसे में नए मुख्यमंत्री के लिए पुराने और वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलना बेहद जरूरी था।

यहीं से सरकार और संगठन के भीतर समन्वय को लेकर सवाल उठने लगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अप्रैल 2025 में झालावाड़ में पेयजल संकट को लेकर अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी। उनका सवाल था कि जब जनता पानी के लिए परेशान है तो अधिकारी अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा रहे हैं? यह केवल अधिकारियों के कामकाज पर नाराजगी नहीं थी, बल्कि सरकार के सामने खड़ी स्थानीय समस्याओं की गंभीरता को भी उजागर करता था।

देखा जाये तो राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का अपना जनाधार और राजनीतिक प्रभाव रहा है। ऐसे में उनकी सार्वजनिक नाराजगी को महज एक प्रशासनिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटनाक्रम इस सवाल को भी जन्म देता है कि क्या मुख्यमंत्री प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं और सरकार के बीच ऐसा संवाद स्थापित कर पाए हैं, जिसमें स्थानीय स्तर पर उठने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके।

इसके अलावा, भजनलाल सरकार के शुरुआती कार्यकाल में ही कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का इस्तीफा राजनीतिक चर्चा का बड़ा विषय बना था। लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने इस्तीफा सौंप दिया था। करीब दस महीने तक उन्होंने नियमित मंत्री की तरह कामकाज से दूरी बनाए रखी थी। इस दौरान उनके इस्तीफे की स्थिति, मंत्रिमंडल की बैठकों से उनकी अनुपस्थिति और विभागीय कामकाज को लेकर लगातार सवाल उठते रहे। अप्रैल 2025 में केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने दोबारा मंत्री के रूप में कामकाज संभाला था। उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ था और उन्हें फिर से जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा गया था।

देखा जाये तो यह पूरा घटनाक्रम अपने आप में भाजपा सरकार के भीतर चल रही राजनीतिक असहजता का महत्वपूर्ण उदाहरण था। जिस मंत्रिमंडल को मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एकजुट होकर काम करना चाहिए था, वहां एक वरिष्ठ मंत्री का इतने लंबे समय तक अलग-थलग रहना सरकार की कार्यशैली और आंतरिक समन्वय पर सवाल खड़े करता रहा। इसके अलावा जून 2025 में भाजपा के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी सामने आई। पूर्व विधायकों, सांसदों और चुनाव लड़ चुके नेताओं ने अपनी समस्याएं और क्षेत्रीय कार्यों की अनदेखी को लेकर पार्टी नेतृत्व के सामने शिकायतें रखी थीं।

देखा जाये तो राजस्थान जैसे बड़े राज्य में पार्टी केवल दिल्ली के निर्देशों से नहीं चल सकती। यहां हर क्षेत्र की अपनी राजनीतिक परिस्थितियां हैं, अपने जातीय और सामाजिक समीकरण हैं और अपने प्रभावशाली नेता हैं। यदि प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं को ही अपनी बात रखने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का दरवाजा खटखटाना पड़े तो इसका असर सरकार और संगठन के जमीनी ढांचे पर पड़ना स्वाभाविक है। साथ ही चुनाव में सत्ता हासिल करने के लिए किए गए वादों का असली इम्तिहान सत्ता में आने के बाद होता है। राजस्थान में आम जनता के सामने आज भी महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े सवाल महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता, किसानों की समस्याएं और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना राजनीतिक चर्चा के बड़े विषय बने हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के समय शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को लेकर भी शुरुआती दौर में भ्रम और अनिश्चितता की स्थिति बनी। लाभार्थियों के बीच यह सवाल रहा कि पुरानी योजनाएं किस रूप में जारी रहेंगी, किन योजनाओं में बदलाव होगा और नई सरकार की प्राथमिकताएं क्या होंगी? देखा जाये तो सरकार बदलने के बाद योजनाओं की समीक्षा और पुनर्गठन अपनी जगह है, लेकिन आम आदमी के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उसे मिलने वाली सुविधा बाधित न हो।

साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी भर्तियां और रोजगार के अवसर, अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं, ग्रामीण इलाकों में पेयजल की उपलब्धता और किसानों की समस्याओं का समाधान ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन होता है। केवल घोषणाओं और बजट प्रावधानों से जनता की अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं। उसका सीधा संबंध जमीन पर मिलने वाली सुविधाओं से है।

देखा जाये तो राजस्थान में पंचायत चुनावों का परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां गांवों का राजनीतिक संदेश सीधे प्रदेश की सत्ता और संगठन के कामकाज से जुड़ता है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़े नेताओं के चेहरे तथा राष्ट्रीय मुद्दे प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन पंचायत चुनावों में स्थानीय संपर्क, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता और क्षेत्रीय समस्याएं निर्णायक भूमिका निभाती हैं। कांग्रेस का 23 जिलों में बहुमत हासिल करना और भाजपा का केवल पांच जिलों में सिमटना प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम है। जिला परिषदों में कांग्रेस की 794 और भाजपा की 357 सीटों का अंतर भी इस चुनावी तस्वीर को स्पष्ट करता है।

ऐसे में भजनलाल शर्मा के सामने चुनौती केवल पंचायत चुनावों के परिणामों की समीक्षा करने की नहीं है। सवाल यह है कि सरकार और संगठन के बीच वह राजनीतिक तालमेल कैसे बनेगा, जिसकी कमी की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। वसुंधरा राजे जैसे वरिष्ठ नेताओं की सार्वजनिक नाराजगी, किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे वाला लंबा प्रकरण और कार्यकर्ताओं की शिकायतें अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इन्हें एक साथ देखने पर प्रदेश भाजपा के भीतर समन्वय की चुनौती सामने आती है।

देखा जाये तो राजस्थान में सत्ता की राजनीति केवल जयपुर के सचिवालय और दिल्ली के पार्टी मुख्यालय से नहीं चलती। उसकी असली परीक्षा गांवों की चौपाल, किसानों के खेत, कस्बों के बाजार और आम आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं के बीच होती है। लोकसभा चुनाव के बाद शहरी निकायों और अब पंचायत चुनावों के नतीजों ने भाजपा के सामने लगातार राजनीतिक सवाल खड़े किए हैं।

बहरहाल, पंचायत चुनावों का जनादेश इस बात का संकेत है कि राजस्थान में भाजपा के सामने केवल विपक्ष की चुनौती नहीं है, बल्कि अपने संगठन, अपने नेताओं और अपने जमीनी जनाधार को साथ लेकर चलने की भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी उठना लाजिमी है कि कहीं सरकार और संगठन, दोनों स्तरों पर अपेक्षित परिणाम देने में नाकाम रहने वाले भजनलाल शर्मा की जगह भाजपा नेतृत्व किसी दूसरे चेहरे को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला न कर ले। आखिरकार, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी चुनावी नतीजों और सरकार के प्रदर्शन को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं कर सकता।

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

गजरौला-हसनपुर चीनी मिल में आए दिन तकनीकी खराबी से किसान परेशान, गन्ना लदे वाहनों की लगी लंबी कतारें

गजरौला-हसनपुर चीनी मिल में आए दिन तकनीकी खराबी से किसान परेशान, गन्ना लदे वाहनों की लगी लंबी कतारेंशनिवार को 3 घंटे और रविवार को 8 घंटे बंद रही मिल, ठंड में रात गुजारने को मजबूर किसान



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- दी किसान सहकारी चीनी मिल गजरौला हसनपुर में आए दिन हो रही तकनीकी खराबी के चलते किसान बुरी तरह परेशान हैं। मिल के बार-बार बंद होने से मिल प्रांगण में गन्ना लदे ट्रिपलर एवं ट्रॉलियों की लंबी-लंबी कतारें लग गई हैं। किसानों को अपनी बारी का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे वे बढ़ती ठंड में भी रातें गुजारने को विवश हैं। बताया जा रहा है कि तकनीकी खराबी के चलते गत शनिवार को लगभग 3 घंटे एवं रविवार को लगभग 8 घंटे मिल बंद रही। मिल बंद होने से गन्ना तौल का कार्य पूरी तरह ठप हो गया। इससे मिल गेट पर गन्ना लेकर आए सैकड़ों किसान घंटों से कतार में खड़े रहे। कई किसानों को 8 से 10 घंटे से भी अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा। किसानों का कहना है कि गन्ना सूख रहा है, वजन घट रहा है और ठंड में खुले में रात गुजारना मुश्किल हो रहा है। इसके बावजूद मिल प्रबंधन की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जा रही है। इस समस्या को लेकर राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने चीफ इंजीनियर वैभव कुमार से फोन पर वार्ता की। उन्होंने मिल में बार-बार हो रही तकनीकी खराबी पर नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि यदि रवैये में जल्द सुधार नहीं हुआ तो किसानों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा। कृष्ण कुमार शर्मा ने मांग की है कि गन्ना विभाग द्वारा मिल की स्थिति के अनुसार ही पर्चियां जारी करनी चाहिए, ताकि किसानों को बेवजह मिल गेट पर इंतजार न करना पड़े। साथ ही किसानों का गन्ना तौलने में 8 से 10 घंटे से अधिक का समय नहीं लगना चाहिए। किसानों ने भी मिल प्रबंधन से मांग की है कि तकनीकी खराबी को स्थायी रूप से दूर किया जाए और गन्ना तौल की व्यवस्था को सुचारू बनाया जाए, जिससे उन्हें राहत मिल सके।

गंगा धाम मेला तिगरी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के शिविर का भव्य उद्घाटन, जनपद न्यायाधीश विवेक ने किया शुभारंभ





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गंगा धाम मेला तिगरी में श्रद्धालुओं एवं आमजन को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने और न्यायिक सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा की ओर से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा विवेक द्वारा किया गया। उद्घाटन के साथ ही मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को विधिक सहायता, उनके अधिकारों तथा न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने की पहल शुरू हुई। शिविर के उद्घाटन अवसर पर परिवार न्यायाधीश मधुलिका चौधरी, अपर जिला जज शाकिर हसन, संजय चौधरी, ज्योति चौधरी, हेमला त्यागी, नाजनीन बानो, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. लकी, सिविल जज सी.डि. चेतना सिंह, अपर सिविल जज जू.डि. इन्दू नागर, नसीम अहमद, प्रिन्स जिन्दल सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति में शिविर का शुभारंभ किया गया तथा मेले में आए लोगों को विधिक सेवाओं के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। गंगा धाम मेला तिगरी में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु, कल्पवासी, ग्रामीण एवं दूर-दराज क्षेत्रों से लोग पहुंचते हैं। ऐसे विशाल जनसमागम में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन आमजन तक कानून की जानकारी पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा की ओर से जनसामान्य को यह संदेश दिया गया कि कानून की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है। किसी भी व्यक्ति को आर्थिक अभाव अथवा जानकारी की कमी के कारण न्याय से वंचित नहीं रहना चाहिए। विधिक सेवा प्राधिकरण जरूरतमंद लोगों को पात्रता के अनुसार निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अंत में आयोजकों ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में विधिक समझ को बढ़ाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाएगा, ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर न्याय प्राप्त कर सके और एक सशक्त, जागरूक एवं समतामूलक समाज की स्थापना हो सके।

योगी आदित्यनाथ की माताजी के निधन पर नारायण सेवा समिति ने आयोजित की श्रद्धांजलि सभा



चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- श्री नारायण सेवा समिति (रजि.) चन्दौसी की ओर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माताजी सावित्री देवी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में समिति के पदाधिकारियों एवं नगर के लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।
समिति के अध्यक्ष सुभाष वार्ष्णेय भोलेनाथ ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि माता सावित्री देवी धर्मपरायण, घरेलू और सरल स्वभाव की महिला थीं। हरीश कठेरिया ने कहा कि मां अपने बच्चे की प्रथम गुरु होती है और वही उसे जीवन के संस्कार एवं शिक्षा प्रदान करती है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. जयशंकर दुबे ने अपने ममत्व भरे काव्यपाठ से सभा के वातावरण को भावुक कर दिया। बृजगोपाल गुप्ता ने कहा कि माता सावित्री देवी ने अपने पुत्र अजय सिंह को ऐसे धार्मिक संस्कार दिए, जिनके चलते वह गोरक्षनाथ मंदिर के पीठाधीश्वर बने। डॉ. डीके अग्निहोत्री ने कहा कि मां ही बच्चों को ज्ञानवान, संस्कारी और जीवन में सफल बनने की प्रेरणा देती है।
दगपाल सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ भले ही वैरागी हैं और सांसारिक मोह-माया से दूर हैं, लेकिन मां के सामने हर व्यक्ति एक बच्चे के समान होता है। केजी गुप्ता ने कोरोना काल में मुख्यमंत्री के पिता के निधन का जिक्र करते हुए कहा कि जिम्मेदारियों के कारण वह उस समय घर नहीं पहुंच सके थे। अजय शर्मा ने कहा कि माता सावित्री देवी के चित्र को देखकर ही उनके ममत्व, स्नेह और सादगी का एहसास होता है। सुखलेश सिंह ने भी उनके संस्कारों और धार्मिक विचारों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद नंदकिशोर राणा, सुरेश शर्मा, जगदीश चौधरी और हरिद्वारीलाल मिश्रा सहित अन्य लोगों ने माता सावित्री देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।
इस अवसर पर वैश्य एकता मंच के विपिन बालाजी, आशीष तूफानी, लवित वार्ष्णेय, दीपेश सेठ और आकाश वार्ष्णेय सहित अन्य लोगों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता कर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

राजकीय गंगा मेला तिगरी-2026 में दीपदान की परंपरा का दिखा विशेष महत्व

दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धालुओं ने मां गंगा में किए दीप प्रवाहित





अमरोहा (सब का सपना):- राजकीय गंगा मेला तिगरी-2026 में श्रद्धा, आस्था एवं धार्मिक परंपराओं का अनुपम संगम देखने को मिल रहा है। मेले में पहुंचे श्रद्धालु अपने सगे-संबंधियों एवं दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए मां गंगा में दीपदान कर रहे हैं। श्रद्धालु दीप प्रज्ज्वलित कर मां गंगा में प्रवाहित करते हुए अपने पूर्वजों एवं प्रियजनों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, तिगरी गंगा में दीपदान की परंपरा महाभारत काल से जुड़ी मानी जाती है। मान्यता है कि महाभारत युद्ध के बाद पांडवों ने युद्ध में दिवंगत हुए अपने सगे-संबंधियों एवं पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए कृष्ण के मार्गदर्शन में गंगा तट पर दीपदान किया था। तभी से कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी को दिवंगत परिजनों की स्मृति में दीपदान करने की परंपरा चली आ रही है। अभी भी श्रद्धालु इसी धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हुए अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति में दीपदान कर रहे हैं। गंगा की जलधारा में प्रवाहित हजारों दीपों से घाटों का दृश्य अत्यंत भावपूर्ण दिखाई दे रहा है।

बिल्डर कंपनी के प्रतिनिधि को जान से मारने की दी धमकी, मुकदमा

एजेंसी

नोएडा। बिल्डर कंपनी एटीएस के प्रतिनिधि ने एक व्यक्ति के खिलाफ एक्सप्रेसवे थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने आरोपी पर बकाया रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता विपिन लखीरा ने पुलिस को बताया कि उनकी कंपनी ने वर्ष 2018 में सेक्टर-152 में किंगहुड ड्राइव नामक एक प्रोजेक्ट निकाला था जिसमें दुकानें प्रस्तावित थीं। बहुत लोगों ने उसमें पैसा लगाया था जिसमें शफी अनवर ने भी 585 वर्ग फुट की एक दुकान खरीदी थी। शफी अनवर ने 72.30 लाख रुपये में से 27.50 लाख रुपये का भुगतान किया है। आरोप है कि जब उससे बकाया मांगा गया तो वह भुगतान करने के बजाय कंपनी पर दबाब बनाने का प्रयास कर रहा है। 12 सितंबर से 11 नवंबर के बीच आरोपी ने कई बार गाली गलौज की और मारने की धमकी दी। आरोपी की धमकी के चलते शिकायतकर्ता को जान का खतरा सता रहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सस्ती झाड़ू का झांसा देकर दुकानदार से ठगी

एजेंसी

नोएडा। साइबर ठगों ने धनतेरस पर झाड़ू की आपूर्ति करने का झांसा देकर एक दुकानदार से 6.44 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने फेसबुक के माध्यम से थोक झाड़ू विक्रेता का नंबर तलाशा था। आरोपियों ने सस्ती दर पर झाड़ू उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाकर उनसे ऑनलाइन भुगतान करा लिया। रकम मिलने के बाद आरोपियों ने झाड़ू की आपूर्ति नहीं की और संपर्क तोड़ दिया। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र के बहलोलपुर गांव निवासी नरेश सहनी ने पुलिस को बताया कि गांव में उनकी किराना की दुकान है। दीपावली से पूर्व उन्हें भारी मात्रा में झाड़ू की आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने फेसबुक पर झाड़ू के एक थोक विक्रेता का नंबर खोजा। फोन पर बात करने पर उसने खुद को थोक विक्रेता बताया। सस्ती दर पर झाड़ू देने का विश्वास दिलाया। उसने कम से कम छह लाख रुपये का माल खरीदने की शर्त रखी। बाजार से कम रेट होने के चलते मोलभाव करके झाड़ू का ऑर्डर दिया। जालसाज ने ऑनलाइन 8.25 लाख रुपये का बिल भेजा। दोनों के बीच 6,44,010 रुपये में सौदा हुआ। उसने ऑनलाइन भुगतान मांगा। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने अपने अलग-अलग बैंक खातों से कुल सात बार में भुगतान कर दिया। पहली बार में पंजाब नेशनल बैंक के खाते से पांच लाख 50 हजार दस रुपये ट्रांसफर किए। दूसरी बार में एक्सिस बैंक के खाते से 40 हजार रुपये तथा मनी ट्रांसफर के माध्यम से 99 हजार रुपये ट्रांसफर किए। गए इस प्रकार उन्होंने कुल 6,44,010 ट्रांसफर किए। इसके बाद वह झाड़ू के बंडलों की आपूर्ति का इंतजार करने लगे। एक दो दिन तक आरोपी ने उनसे संपर्क रखा, लेकिन बाद में संपर्क तोड़ दिया। कई दिन बीत जाने के बाद भी जब झाड़ू की आपूर्ति नहीं हुई तो ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने फौरन इसकी सूचना पुलिस को दी और पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बिना सत्यापित वेंडर के किसी को भी ऑनलाइन भुगतान न करें।

सेक्टर-6 की निजी कंपनी में देर रात लगी भीषण आग, उठने लगी आग की ऊंची लपटें,



एजेंसी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-6 स्थित बी-1 की एंक निजी कंपनी में रविवार देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग की भयावहता को देखते हुए अतिरिक्त दमकल गाड़ियां भी बुलाई गईं। दमकल विभाग की करीब 15 गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद मौके पर कूलिंग का काम शुरू किया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

पंचशील हाईनिश में प्रदर्शन के दौरान मारपीट और महिलाओं से अभद्रता का आरोप

एजेंसी

नोएडा। पंचशील हाईनिश सोसाइटी में एओए का कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद चुनाव नहीं कराए जाने के विरोध में रविवार को निवासियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान एओए कार्यालय में विवाद हो गया। लोगों ने एओए अध्यक्ष और सचिव पर महिलाओं से अभद्रता करने और एक निवासी के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना के विरोध में करीब 200 निवासी बिसरख थाने पहुंचे और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। लोगों का आरोप है कि वर्तमान एओए निष्पक्ष चुनाव कराने में बाधा डाल रही है। इसके अलावा एसटीपी पर करीब 75 लाख रुपये के जुमार्ने, सरकारी नोटिस और एनपीसीएल से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की जानकारी भी लोगों को नहीं दी जा रही है। इससे सोसाइटी के प्रबंधन और वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।



प्रदर्शन के दौरान एओए कार्यालय में हुए विवाद को लेकर लोगों ने अध्यक्ष विनोद नेगी और सचिव विजय कुमार रस्तोगी पर प्रदर्शनकारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया। आरोप है कि अध्यक्ष विनोद नेगी पर निवासी अनुज सैनी के साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। इसमें अनुज के हाथ और सिर में चोट लगने की बात कही गई है। लोगों का आरोप है कि मोनिका सैनी, वंदना सिंह और विजेता सिंह समेत अन्य महिलाओं के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। पीड़ित महिलाओं ने मामले की शिकायत महिला आयोग में दर्ज कराई है। घटना से नाराज करीब 200 निवासी, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, बिसरख थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत देकर निष्पक्ष जांच की मांग की। लोगों ने जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त और महिला आयोग से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि सोसाइटी में जिला रजिस्ट्रार की निगरानी में स्वतंत्र और निष्पक्ष एओए चुनाव कराए जाएं, ताकि निवासियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार मिल सके। साथ ही मारपीट और महिलाओं से अभद्रता के आरोपों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। इस मामले को लेकर अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उनके द्वारा फोन नहीं उठाया जा रहा है।

युवा संसद में बहस के बाद नकल रोकथाम अधिनियम पारित

एजेंसी

गुरुग्राम। जैकबपुरा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को मंडल स्तरीय युवा संसद का आयोजन किया गया। छात्राओं ने संसद की कार्यवाही का जीवंत प्रदर्शन करते हुए देश के ज्वलंत मुद्दों पर पक्ष और विपक्ष की भूमिका निभाई। विपक्ष ने बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार को घेरा। सदन में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर), मिलावटी ईंधन और दिल्ली में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण जैसे मुद्दों पर भी तीखी बहस हुई। चर्चा के बाद परीक्षा नकल रोकथाम अधिनियम-2026 को सदन में पारित किया गया। कार्यक्रम एससीईआरटी हरियाणा के दिशा-निदेर्शों और डाइट गुरुग्राम के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। मंडल स्तरीय पर्यवेक्षक डॉ. संजय कुमार ने कार्यक्रम का निरीक्षण किया। निर्णायक मंडल में अमित काजल और विनोद नापा शामिल रहे। अरुण कुमार राघव, कनिका भारद्वाज और रश्मि पवार ने छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा संसद विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तार्किक क्षमता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समझ विकसित करने का बेहतर माध्यम है। विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा सैनी के नेतृत्व में रीना यादव, शर्मिला यादव और अरविंदर कौर ने छात्राओं को कार्यक्रम की तैयारी करवाई। आयोजन में विद्यालय के अन्य शिक्षकों और डाइट गुरुग्राम के सदस्यों का भी विशेष योगदान रहा।



गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर नगर कीर्तन निकाला

एजेंसी

नोएडा। श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को ग्रेटर नोएडा में नगर कीर्तन निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वाहेगुरु के जयकारों और गुरुबाणी कीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया। वहीं गुरु नानक देव की जयंती पर 24 नवंबर को नॉलेज पार्क में भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी चल रही है। सरदार मनजीत सिंह ने बताया कि नगर कीर्तन का शुभारंभ नॉलेज पार्क-3 स्थित गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा से हुआ। पंज प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन अमृतपुरम चौक, बीटा-1, रामपुर बाजार चौक, गामा-2 गेट, स्वर्णहार, लेबर चौक होते हुए अल्फा-2 स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव दरबार में पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान रास्ते श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर नगर कीर्तन का स्वागत किया। जगह-जगह लंगर, प्रसाद और जलपान की सेवा की गई। गतका पार्टी के करतबों ने भी संगत का मन मोह लिया। आयोजकों के अनुसार नगर कीर्तन का उद्देश्य गुरु नानक देव की शिक्षाओं, प्रेम, सेवा, समानता और भाईचारे को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है। नगर कीर्तन में सरनजीत सिंह, मनजीत सिंह, हरजीत सिंह, टिंकू सिंह, रविंदर सिंह, हरेंद्र भाटी, रणबीर सिंह, वीरत मरवाह, अवतार सिंह, बोस्ता सिंह सहित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य और बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए।



शराब कैंटीन मैनेजर ने पेश की ईमानदारी की मिसाल रात में छूटा लाखों का सोना सुबह लौटाया



बहजोई सम्भल (सब का सपना):-नगर स्थित एक शराब ठेके की कैंटीन में उस समय ईमानदारी की अनूठी मिसाल देखने को मिली जब कैंटीन मैनेजर ने एक ग्राहक के रात में छूटे हुए सामान करीब 6 से 7 लाख रुपये कीमत के सोने को सोमवार सुबह सकुशल उसके मालिक को वापस लौटा दिया। मैनेजर की इस ईमानदारी की पूरे क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात बहजोई स्थित एक शराब ठेके की कैंटीन में एक व्यक्ति आया था। वहां से जाते समय वह व्यक्ति जल्दबाजी या नशे की हालत में अपना एक थैला कैंटीन में ही भूल गया। कुछ देर बाद जब कैंटीन के अंदर काम कर रहे लोगों ने मैनेजर इंदरपाल को बताया तो मैनेजर ने उस थैले को रात भर पूरी सुरक्षा के साथ अपने पास संभाल कर रख लिया। थैले की जांच करने पर उसमें करीब 70 ग्राम सोने के आभूषण मिले जिनकी बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 6 से 7 लाख रुपये बताई जा रही है। इतनी बड़ी रकम के जेवरात देखकर भी मैनेजर इंदरपाल का ईमान नहीं डगमगाया। उन्होंने थैले के असली मालिक से संपर्क किया और सोमवार को पूरी पड़ताल के बाद थैला और सामान उसे सकुशल सौंप दिया।अपना कीमती सामान वापस पाकर पीड़ित व्यक्ति की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उसने मैनेजर इंदरपाल का हृदय से आभार व्यक्त किया। वहीं स्थानीय लोगों और ने भी इंदरपाल के इस नेक कार्य की प्रशंसा की है।

मतदाता फोटो पहचान पत्रों की जांच पूरी सभी विधानसभा क्षेत्रों की ईपीआईसी किट सही मिलीं स्पीड पोस्ट से भेजे जाएंगे कार्ड



बहजोई /संभल (सब का सपना):- जनपद सम्भल के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता फोटो पहचान पत्र संबंधित फर्म से छपकर प्राप्त हो गए हैं। ये पहचान पत्र 28 अक्टूबर 2025 से 28 जुलाई 2026 के बीच की अवधि में तैयार किए गए थे। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने रेंडम आधार पर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 10-10 ईपीआईसी किट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्ड की गुणवत्ता और उनमें रखे गए दस्तावेजों की गहन जांच की गई। जांच में पाया गया कि प्रत्येक ईपीआईसी किट में मतदाता फोटो पहचान पत्र के साथ मतदाता की सुविधा के लिए मार्गदर्शिका और निर्वाचक के पते से जुड़ा विवरण मौजूद है। रेंडम जांच में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों की ईपीआईसी किट पूरी तरह सही और मानकों के अनुरूप पाई गईं। गुणवत्ता परीक्षण पूरा होने के बाद इन मतदाता फोटो पहचान पत्रों को संबंधित मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को सौंप दिया गया है। प्रशासन के अनुसार सभी पहचान पत्रों को स्पीड पोस्ट के माध्यम से बुक कराकर सीधे मतदाताओं के पंजीकृत पते पर भेजा जाएगा।

सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, फतेहपुर में JOSH स्कॉलरशिप परीक्षा का भव्य आयोजन, 1500 विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता



फतेहपुर (सब का सपना):- सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, फतेहपुर एवं मलवां परिसर में आज JOSH स्कॉलरशिप परीक्षा के प्रथम प्रारंभिक चरण का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस परीक्षा में दोनों परिसरों को मिलाकर लगभग 1500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया, जिससे पूरे आयोजन में अभूतपूर्व उत्साह और शैक्षणिक वातावरण देखने को मिला। JOSH स्कॉलरशिप परीक्षा का मुख्य उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। इस पहल के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को आकर्षक छात्रवृत्ति एवं अन्य शैक्षणिक प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे, जिससे उनकी प्रतिभा को उचित मंच मिल सके।विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि जयपुरिया का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना भी है। JOSH जैसी पहल इसी सोच का सशक्त उदाहरण है। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधानाचार्य गायत्री प्रसाद मिश्रा, र्य,प्रबंधन, सभी विभागाध्यक्षों, शिक्षकगण, प्रशासनिक टीम, परिवहन विभाग, सुरक्षा कर्मियों एवं सहयोगी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी टीमों के समन्वित प्रयासों और समर्पण से कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका विश्वास और उत्साह ही विद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने की प्रेरणा देता है। सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, फतेहपुर का संकल्प है कि हर प्रतिभा को अवसर, हर सपने को उड़ान और हर विद्यार्थी को उज्ज्वल भविष्य।

गोल्डी मसाला व्यवसाई के साथ हुई चोरी की घटना का खुलासा

शातिर चोर को गिरफ्तार, ढाई लाख रुपये बरामद



जहानाबाद/फतेहपुर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के दिशा निर्देश पर जहानाबाद थाना पुलिस ने कस्बे में एक पखवाड़े पूर्व गोल्डी मसाला व्यवसाई से 2 लाख 80 हजार रुपये से भरे बैग से स्कूटी की डिग्गी से हुई चोरी का खुलासा कर मध्य प्रदेश के जनपद राजगढ़ से अंतर्राज्यीय एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर 2 लाख 50 हजार रुपये बरामद कर विधिक कार्रवाई कर न्यायालय भेजा है। ज्ञातव्य हो कि कस्बा जहानाबाद के बस स्टैंड निवासी गोल्डी मसाला ब्यवसाई एवं भारतीय जीवन बीमा अभिकर्ता अनिल कुमार गुप्ता 2 नवम्बर 2026 को 2 लाख 80 हजार रुपये एक बैग में भर कर स्कूटी से भारतीय स्टेट बैंक शाखा कोड़ा जहानाबाद जा रहे थे कि इसके पहले वह डाकघर गये और फिर वहां से लालूगंज बाजार में स्थित श्याम किराना ब्यवसाई से चेक लेने के लिए रुपयो से भरा बैग स्कूटी के पैरदान में रख कर वह चेक ले रहे थे कि इसी बीच अज्ञात चोर 2.80 लाख रुपये से भरा बैग चोरी कर ले गया था। जो सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में चोर कैद हो गया था। जिस पर पुलिस ने अभियोग दर्ज कर मामले की विवेचनात्मक कार्यवाही एवं चोरी के माल व अभियुक्तों की पतारसी सुराग कसी हेतु कस्बा जहानाबाद इंचार्ज उपनिरीक्षक बिंदेश कुमार गिरि हमराही हेड कांस्टेबल सूर्यभान सिंह इद्रपाल सूर्य प्रताप के साथ थाना बोड़ा जनपद राजगढ़ (मध्य प्रदेश) क्षेत्र में भ्रमण के दौरान मुखविर की सूचना पर बोड़ा पचोर मार्ग से ग्राम कड़िया की ओर जाने वाले रास्ते से घेराबंदी कर अभियुक्त एरुड़ा पुत्र प्रकाश निवासी ग्राम गुलखेड़ी थाना बोड़ा जनपद राजगढ़ (मध्य प्रदेश) से गिरफ्तार कर अभियुक्त के पास से जामा तलाशी में लाल झोले से 2 लाख 50 हजार रुपये चोरी के बरामद कर जहानाबाद लेकर बरामदी के आधार पर दर्ज मुकदमे में बढ़ोतरी कर विधिक कार्रवाई कर न्यायालय भेजा है। उपनिरीक्षक बिंदेश कुमार गिरि ने बताया कि गिरफ्तार अंतर्राज्यीय शातिर अभियुक्त एरुड़ा के विरुद्ध मुजफ्फरनगर मध्य प्रदेश जहानाबाद सहित चार मुकदमे दर्ज है।

महंगाई की मार से बेहाल किसानों ने उठाई फसल के दाम बढ़ाने की मांग

गन्ना 700, गेहूं 5000 और आलू 2500 रुपये प्रति कुंतल करने की मांग, सभी बैंकों का कर्ज माफ करने को मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन



फतेहपुर (सब का सपना):- खाद, बीज, कीटनाशक, तेल और दवाइयों की बढ़ती कीमतों से परेशान किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति ने आवाज उठाई है। संगठन के प्रदेश मंडल अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को ज्ञापन भेजकर फसलों का उचित मूल्य निर्धारित करने और किसानों का बैंक कर्ज माफ करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। महंगाई के चलते किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और परिवार का भरण-पोषण करना भी मुश्किल हो रहा है। खाद, बीज, तेल और दवाइयों के दामों में बढ़ोतरी ने किसानों की कमर तोड़ दी है। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि गन्ने का मूल्य 700 रुपये प्रति कुंतल, गेहूं का समर्थन मूल्य 5000 रुपये प्रति कुंतल और आलू का समर्थन मूल्य 2500 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया जाए। इसके अलावा किसानों पर विभिन्न बैंकों के बकाया कर्ज को माफ करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिला और कर्ज से राहत नहीं दी गई तो उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से किसानों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर जल्द ठोस निर्णय लेने की अपील की, जिससे किसानों को राहत मिल सके और खेती को घाटे से उबारा जा सके।

पुलिस लाइन में धूमधाम से मनाया गया पुलिस झंडा दिवस, एसपी ने फहराया पुलिस ध्वज





बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में सोमवार को पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन बहजोई स्थित क्वार्टर गार्ड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने पुलिस ध्वज फहराकर उसे सम्मान प्रकट किया। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रेषित संदेश का वाचन कर सुनाया गया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस कलर (पुलिस ध्वज का प्रतीकात्मक बैज) लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस झंडा दिवस उत्तर प्रदेश पुलिस के गौरवशाली इतिहास, शौर्य, साहस और समर्पित सेवाओं का प्रतीक है। सभी पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए। उन्होंने आमजन की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनसेवा के प्रति सदैव समर्पित रहने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि 23 नवंबर 1952 को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश पुलिस को उसकी उत्कृष्ट कार्यकुशलता, अदम्य साहस और समर्पित सेवाओं के लिए पुलिस कलर यानी पुलिस ध्वज प्रदान किया था। यह गौरव प्राप्त करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य पुलिस बल बना था। पुलिस ध्वज में शामिल लाल और नीला रंग उत्तर प्रदेश पुलिस की शक्ति, निष्ठा और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। एसपी ने पुलिस बल की गौरवशाली परंपरा, शौर्य और बलिदान की विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के साथ ही पुलिस ध्वज की आन, बान और शान को सदैव कायम रखने का संदेश दिया।

ओवरलोडिंग और बिना दस्तावेज वाहन चलाने वालों की खैर नहीं, पुलिस ने किए चालान



संभल(सब का सपना):- जनपद में सोमवार को यातायात माह नवंबर के तहत सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस और प्रवर्तन टीमों ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में जनपद के प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर चेकिंग की गई। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।
अभियान के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले वाहनों तथा बिना वैध परमिट और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों की जांच की गई। इसके अलावा टेंपो और ई-रिक्शा में लगे अवैध पायदान भी हटवाए गए। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। यातायात पुलिस की कार्रवाई के दौरान ऑटो और ई-रिक्शा के 55 चालान किए गए, जबकि एक वाहन को सीज किया गया। इंटरसेप्टर के माध्यम से 70 चालान किए गए। अभियान के तहत कुल 430 वाहनों के चालान कर 6 लाख 82 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। वहीं ऑटो और ई-रिक्शा से एक अवैध पायदान भी हटवाया गया। इस दौरान यातायात पुलिस की टीम ने स्कूलों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। बच्चों को सड़क पार करते समय सावधानी बरतने, हेलमेट और सीट बेल्ट का महत्व समझाने के साथ ही यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।
जनपद सम्भल पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं, तेज गति से वाहन न चलाएं तथा दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ चेकिंग और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

अब मुसीबत में नहीं रहेंगी महिलाएं खामोश, पुलिस ने बताए मदद के हेल्पलाइन नंबर





संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत सोमवार को जनपद सम्भल में महिला पुलिसकर्मियों ने जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में मिशन शक्ति केंद्रों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चौपाल आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। चौपाल के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। वहीं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन और पुलिस विभाग की ओर से संचालित सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। पुलिस टीम ने महिलाओं को वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही मोबाइल में इमरजेंसी कॉल और पैनिक बटन के इस्तेमाल का डेमो देकर आपात स्थिति में मदद लेने का तरीका भी समझाया गया।
जनपद सम्भल पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

विकसित भारत युवा संसद में युवाओं ने उठाई नशा मुक्ति की आवाज



चंदौसी/संभल(सब का सपना):- मेरा युवा भारत संभल (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में सोमवार को एसएम पीजी कॉलेज चंदौसी में विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' रहा। इसमें जनपद संभल के विभिन्न विकास खंडों से आए युवाओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और नशा मुक्ति को लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ एसएम कॉलेज की प्राचार्य नूतन चौधरी, प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट एवं सदस्य बाल कल्याण समिति, एनएसएस कोऑर्डिनेटर, जिला युवा अधिकारी सचिन कुमार, मणिपाल कंप्यूटर्स के मोहित वार्ष्णेय तथा कॉलेज के अन्य प्रोफेसरों ने मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में युवाओं ने नशे के दुष्प्रभाव, समाज और देश पर इसके पड़ने वाले प्रभाव तथा युवाओं को नशे से दूर रखने के उपायों पर अपने विचार रखे। प्रतियोगिता में नूशीन शान ने प्रथम, पूर्णिमा ने द्वितीय और गौरी गौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने अपने संबोधन में युवाओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में जानकारी दी। साथ ही नशे की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करने और युवाओं को जागरूक बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी सचिन कुमार ने युवाओं को नशे के विरुद्ध लड़ने और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सभी युवाओं को नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन विशेष पांडे ने किया। अंत में अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विकास कुमार, जोगिंदर सिंह, उन्नति चौधरी, विवेक कुमार सहित अन्य लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कोर्ट के आदेश पर छह साल पुराने मारपीट मामले में विवेचना और प्राथमिकी की कार्रवाई



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- करीब छह वर्ष पुराने मारपीट के एक मामले में अदालत के सख्त निर्देश के बाद पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्राम फुलसंदा खाकम निवासी पीड़ित शौकत अली के अनुसार, 25 दिसंबर 2020 की सुबह वह कमेटी द्वारा खरीदी गई भूमि देखने गए थे। आरोप है कि इसी दौरान गजेंद्रपाल (पुत्र मुबारक सिंह), उनके पुत्र पुनीत व सुमित तथा पत्नी विनोद बाला मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उन्हें जमीन पर गिराकर लात-घूसों से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जबकि आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। मारपीट में पीड़ित के शरीर व मुंह पर चोटें आईं तथा जिला अस्पताल बिजनौर से रेफर और एक्स-रे की कार्रवाई भी हुई। पीड़ित के मुताबिक, पुलिस ने पूर्व में एनसीआर (NCR) दर्ज की थी, लेकिन आगे की विवेचना नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने धारा 173(4) बीएनएसएस (BNSS) के तहत अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इस पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 02 नवंबर 2026 को थानाध्यक्ष नहटौर को नियमानुसार विवेचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विवेचना अधिकारी अनिल कुमार राणा ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर एनसीआर को प्राथमिकी में तरमीम कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नजीबाबाद में नए मतदाता बनाने और कटे वोट जुड़वाने के लिए अभियान चलाया

शक्ति केंद्र तातारपुर लालू-1 एवं 2 पर घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं को किया जागरूक



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- शक्ति केंद्र तातारपुर लालू-1 एवं 2 पर रविवार को मतदाता सूची में नए नाम शामिल कराने और कटे हुए वोटों को पुनः जुड़वाने के उद्देश्य से भाजपा कार्यकर्ताओं ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान शक्ति केंद्र प्रभारी रितेश सैन ने बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर पात्र लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उनके नए वोट बनवाए जाएं। इसके साथ ही जिन मतदाताओं के नाम किसी कारणवश सूची से कट गए हैं, उनके आवश्यक फॉर्म भरवाकर नाम पुनः शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी कराई जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रियता के साथ जुटना होगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष वरुण आत्रेय, मंडल मंत्री अतुल शर्मा, कपिल वर्मा, नितेश त्यागी, रविकांत, अनुज कुमार, श्रवण त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

40 वर्षों से काबिज भूमि की पैमाइश और कब्जा दिलाने की मांग, जिलाधिकारी को सौंपा प्रार्थना पत्र



फतेहपुर (सब का सपना):- जमीन के विवाद को लेकर तहसील बिंदकी क्षेत्र के देवरी बुजुर्ग गांव निवासी अनन्तराम ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आराजी गाटा संख्या 1432 की पैमाइश कराकर भूमि पर कब्जे की पुष्टि एवं न्याय दिलाए जाने की मांग की है।वही अनन्तराम पुत्र स्व. श्यामलाल ने बताया कि वह उक्त गाटा संख्या के सहखातेदार हैं। आरोप है कि पिछले करीब 40 वर्षों से चकबंदी के समय से ही वह संबंधित भूमि पर अस्थायी झोपड़ी बनाकर अपने मवेशियों को बांधते चले आ रहे हैं। राजस्व अभिलेखों में भी संबंधित भूमि के मालिकाना हक और कब्जे का विवरण दर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के ही हरीशंकर पुत्र स्व. प्रेम कुमार उर्फ चुन्नी आए दिन उक्त जमीन को अपनी बताकर विवाद करते हैं और उन्हें परेशान करते हैं, जबकि उनका संबंधित भूमि से कोई संबंध नहीं है। प्रार्थी के अनुसार राजस्व निरीक्षक और क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा कई बार भूमि की पैमाइश भी की जा चुकी है, इसके बावजूद विवाद समाप्त नहीं हुआ। अनन्तराम ने जिलाधिकारी से मांग की है कि राजस्व टीम गठित कर आराजी की दोबारा पैमाइश कराई जाए तथा अभिलेखों और मौके की स्थिति का सत्यापन कराते हुए उनके कब्जे की पुष्टि की जाए। साथ ही नियमानुसार भूमि पर कब्जा एवं दखल दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए, जिससे उन्हें न्याय मिल सके।

सीओ नगीना के साथ एआई से अपना फोटो बनाकर फेसबुक पर किया वायरल

राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के अध्यक्ष एम आर पाशा के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की एफआईआर



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सीओ नगीना की फोटो के साथ एआई से अपनी फोटो बनाकर फेसबुक पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा के खिलाफ एसआई प्रवीण कुमार की तहरीर पर नगीना थाना में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।एआई से बनाए गए फोटो में सीओ आलोक सिंह के फोटो में यूपी पुलिस के बैज के नीचे शमशेर सिंह नाम की नेम प्लेट दर्शाई गई है और एम आर पाशा के कंधे पर सीओ आलोक सिंह का हाथ व मेज पर रखा फूलों का बुके दर्शाया गया है। फेसबुक पर राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन की आईडी से संचालित फेसबुक अकाउंट पर 20 नवंबर को उक्त फोटो वायरल होते ही शमशेर सिंह नाम के साथ सीओ आलोक सिंह का फोटो देखकर चचाओं का बाजार गर्म हो गया।नगीना पुलिस ने इसका संज्ञान लेते हुए थाना में तैनात एसआई प्रवीण कुमार की तहरीर पर राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम बुढ़नपुर निवासी एम आर पाशा के खिलाफ आईटी एक्ट व अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगीना थाना में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में एसआई प्रवीण कुमार ने कहा है कि सीओ नगीना आलोक सिंह के साथ एआई द्वारा अपने कंधे पर हाथ रखवा कर फोटो बना कर फेसबुक पर वायरल करने का एम आर पाशा का मकसद जनता को भ्रमित कर अनुचित लाभ प्राप्त करना मुख्य उद्देश्य प्रतीत हो रहा।

सीओ नगीना आलोक सिंह का कहना है कि राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के अध्यक्ष एम आर पाशा उनके कार्यालय में मुलाकात करने आए थे।लेकिन जो फोटो खींचा गया था,उसको बाद में एआई के जरिए एडिट करते हुए सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है।वायरल फोटो में नेम प्लेट पर नाम भी गलत दर्शार्या गया है।वायरल फोटो की जानकारी मिलते ही फोटो वायरल करने वाले व्यक्ति के खिलाफ नगीना थाना में मुकदमा दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

पिता ने मां के साथ मिलकर पुत्री की गला घोंटकर की हत्या, यमुना में बहाया शव

भैंस की टक्कर से मौत की गढ़ी थी झूठी कहानी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोली पोल



बिंदकी/फतेहपुर (सब का सपना):- जिस पिता की उंगली पकड़कर बेटी ने चलना सीखा, उसी पिता पर उसका गला घोंटकर हत्या करने का आरोप पोस्टमार्टम रिपोर्ट से उजागर हुआ है। इतना ही नहीं, हत्या को हादसा सिद्ध करने के लिए शव कुएं में फेंक दिया और फिर पत्नी के साथ मिलकर उसे यमुना नदी में बहा दिया। रिश्तों को झकझोर देने वाली इस घटना का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ। पुलिस ने पिता और मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला जाफरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बारा का है। यहां के जितेंद्र सिंह की बेटी प्राची सिंह की 9-10 नवंबर की रात मौत हो गई थी। पिता ने पुलिस को बताया था कि प्राची चारा डाल रही थी, तभी भैंस की टक्कर लगने से वह कुएं में गिर गई और उसकी मौत हो गई। इस कहानी के साथ उसने पुलिस को तहरीर भी दी थी। इस बीच 19 नवंबर को ललौली थाना क्षेत्र के दरियाबाद श्मशान घाट के पास यमुना नदी में एक युवती का शव उतराता मिला। पुलिस ने कपड़ों और चांदी के आभूषणों के आधार पर उसकी पहचान प्राची के रूप में कराई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने हादसे की कहानी को झूठा साबित कर दिया। रिपोर्ट में गला घोंटने और सिर में चोट के कारण मौत की पुष्टि हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना से पहले पैसे ट्रांसफर करने को लेकर पिता-पुत्री के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी विवाद में जितेंद्र ने प्राची की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव कुएं में फेंक दिया। बाद में पत्नी सुधा सिंह के साथ मिलकर शव कुएं से निकलवाया और यमुना में प्रवाहित कर दिया, ताकि हत्या के सबूत मिटाए जा सकें।एक बेटी की मौत को हादसा बताकर छिपाने की कोशिश आखिरकार पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आगे टिक नहीं सकी। पुलिस ने पिता जितेंद्र सिंह और मां सुधा सिंह के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

गुरुपरब पर दिल्ली में भव्य नगर कीर्तन, शीश गंज साहिब से मजनू का टीला तक उमड़ी श्रद्धा



नई दिल्ली (सब का सपना):- सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व (गुरुपरब) के पावन अवसर पर राजधानी दिल्ली में श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। यह विशाल नगर कीर्तन ऐतिहासिक गुरुद्वारा शीश गंज साहिब, चांदनी चौक से आरंभ हुआ और गुरुद्वारा नानक प्याऊ होते हुए गुरुद्वारा मजनू का टीला तक पहुंचा। नगर कीर्तन के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। पीले और नीले परिधानों में पगड़ी बांधे व गले में फूलों की माला पहने विद्यार्थियों ने अनुशासन और उत्साह के साथ मार्च में हिस्सा लिया। बैनर और निशान साहिब के साथ आगे बढ़ते नगर कीर्तन का मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। गुरुद्वारा शीश गंज साहिब परिसर से शुरू होकर यह यात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए गुरुद्वारा नानक प्याऊ के रास्ते आगे बढ़ी और गुरुद्वारा मजनू का टीला पर संपन्न हुई।

इस दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के बीच बड़ी संख्या में संगत मौजूद रही। पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं ने नगर कीर्तन पर फूल बरसाए और लंगर व जल की सेवा की। गुरु नानक देव जी के उपदेशों - नाम जपो, किरत करो, वंड छको को याद करते हुए संगत ने एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

पुलिस लाइन में मनाया गया उत्तर प्रदेश पुलिस झंडा दिवस, एसपी ने किया ध्वजारोहण



फतेहपुर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर सोमवार को पुलिस लाइन फतेहपुर में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने ध्वजारोहण कर उत्तर प्रदेश पुलिस के गौरवशाली इतिहास, शौर्य, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया।इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रेषित संदेश को एसपी ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समक्ष पढ़कर सुनाया। उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस की गौरवशाली परंपराओं, अदम्य साहस, जनसेवा और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए पुलिस बल के योगदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुलिस कलर (ध्वज) का स्टीकर लगाकर उत्तर प्रदेश पुलिस के सम्मान, गौरव और कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह में क्षेत्राधिकारीगण, प्रतिसार निरीक्षक समेत पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्पीड़न व लज्जा भंग करने के प्रयास के आरोप में मुकदमा दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर सास व दो देवरों के खिलाफ उत्पीड़न व लज्जा भंग करने के प्रयास में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के ग्राम जीतपुर पालड़ी निवासी आंचल पत्नी कपिल कुमार ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि उसकी शादी गांव के ही कुमर साहब के पुत्र कपिल कुमार के साथ हिंदू रीति रिवाज के साथ हुई थी।अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया था लेकिन सास ओमवती दहेज से खुश नहीं होने के कारण और अतिरिक्त दहेज लाने के लिए उसका क्रूरता के साथ उत्पीड़न करती है। पीड़िता आंचल ने यह भी आरोप लगाया है कि उसका कुंवारा देवर उस पर बुरी नजर रखता है।विरोध करने पर उसके साथ मारपीट करता है।20 नवंबर को उसका पति कपिल कुमार मजदूरी करने गया हुआ था। दोपहर 12 बजे उसका देवर बबले उसे अकेला देखकर उसके साथ अश्लील हरकते करने लगा।विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने लगा तभी दूसरे देवर राहुल ने भी उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट की और घर से निकाल दिया।पुलिस ने सास ओमवती तथा देवरों बबले व राहुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरस्वती विद्या मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई गुरु नानक जयंती





नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं संस्थापक गुरु नानक देव जी की जयंती (प्रकाश पर्व) अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिवदत्त शर्मा व प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार शर्मा ने गुरु नानक देव जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किये। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि को पटका भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य शैलेंद्र एवं टीकम ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए गुरु नानक देव जी के जीवन परिचय, उनकी आध्यात्मिक यात्राओं और उनके महान आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गुरु नानक देव जी ने समाज से जाति-पाति, ऊंच-नीच और अंधविश्वास को मिटाकर 'एक ओंकार' (ईश्वर एक है) और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज के समय में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं और हमें सत्य, ईमानदारी, विनम्रता तथा मानव सेवा के मार्ग पर चलते हुए उनका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने सभी आचार्यों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को गुरु पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य विनेशपाल सिंह, अशोक, राजीव, नकुल, उनेश, पर्वेंद्र, अनुज, सुरेंद्र, कपिल,गजेंद्र शर्मा , दिनेश, श्रीमती रंजना, संगीता, अलका, ज्योति, सुमन एवं विद्यालय के समस्त आचार्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नगीना के दो लालों ने स्वर्ण अक्षरों से रचा इतिहास

संस्कार ने तोड़ा नेशनल रिकॉर्ड, तो देवांश ने जीते 4 गोल्ड मेडल





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- दिल्ली के जीटीबी नगर स्थित लिटिल फेरी पब्लिक स्कूल में 20 से 22 नवंबर तक 'वर्ल्ड रॉ पावरलिफ्टिंग फेडरेशन' (WRPF) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नगीना के दो होनहार खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 15 वर्षीय सब-जूनियर (टीनएजर) वर्ग में संस्कार मित्तल और देवांश मित्तल ने पदकों की झड़ी लगा दी।90 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हुए 15 वर्षीय संस्कार मित्तल ने स्क्वाट इवेंट में पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड ध्वस्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत पदक भी जीते।संस्कार मित्तल एक प्रतिष्ठित पहलवान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे स्वर्गीय भानु मित्तल पहलवान व हेमलता मित्तल के पौत्र तथा सराफा व्यापारी पवन मित्तल व मान्या मित्तल के सुपुत्र हैं। उल्लेखनीय है कि संस्कार का परिवार खानदानी अखाड़े से जुड़ा रहा है और पवन मित्तल पिछले 17 वर्षों से मुंगरी में रामडोल के जुलूस में लगातार चैंपियन रहे हैं। पवन मित्तल के छोटे बेटे वैभव मित्तल भी मुंगेरी चैंपियन हैं। वहीं, 75 किलोग्राम भार वर्ग (सब-जूनियर कैटेगरी) में 15 वर्षीय देवांश मित्तल ने अद्भुत शक्ति का प्रदर्शन करते हुए चारों स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमाया। सराफा व्यापारी राम बाबू मित्तल एवं नेहा मित्तल के पुत्र देवांश ने स्क्वाट में 155 किलो, बेंच प्रेस में 90 किलो और डेडलिफ्ट में 177.5 किलो सहित कुल 422.5 किलोग्राम वजन उठाकर यह ऐतिहासिक सफलता हासिल की। दोनों खिलाड़ी टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे स्थित 'हार्डकोर जिम' में अभ्यास करते हैं। शुक्रवार से रविवार शाम तक चली इस प्रतियोगिता में परचम लहराने के बाद सोमवार की सुबह 10 बजे दोनों खिलाड़ी अपने वाहन से नगीना पहुंचे। नगर की सीमा पर बड़ी संख्या में एकत्रित नगरवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर खिलाड़ियों पर पुष्पवर्षा कर फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद रेलवे स्टेशन स्थित नगर के प्रवेश द्वार से मोहल्ला शाहजहीर स्थित उनके आवास तक विशाल विजय जुलूस निकाला गया। पैतृक निवास पहुंचने पर मोहल्लेवासियों ने जश्न मनाया और एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। दिन भर बधाई देने वालों का उनके आवास पर तांता लगा रहा। दोनों खिलाड़ियों ने मीडिया के सामने अपनी इस ऐतिहासिक कामयाबी का श्रेय अपने माता-पिता, परिजनों और अपने कोच को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी लगन, कड़ी मेहनत व मार्गदर्शन का ही यह फल है। उन्होंने बताया कि यह लक्ष्य उन्होंने बाल अवस्था से ही बना रखा था।

इस अवसर पर स्वागत करने वालों में प्रहलाद कुशवाहा, विजेंद्र गैस वाले, धर्मेंद्र पारस, प्रमोद चौहान, अजय मित्तल, गौरव अग्रवाल ज्वेलर्स, लवी मित्तल, सौरभ मित्तल, शोभित मित्तल, सीमांत मित्तल, सौरभ गोयल, अंजलि मित्तल, डिंपल महाराज, राकेश कटारिया, राजकुमार सेठी, विद्या शंकर पाल, छोटेलाल, बबली उस्ताद सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दादी की खुशी का ठिकाना नहीं

हेमलता मित्तल अपने दोनों होनहार पौत्रों संस्कार मित्तल व देवांश मित्तल द्वारा जीत का परचम लहराकर घर लौटने की खुशी में फूली नहीं समा रही हैं। वह कहती हैं कि संस्कार व देवांश ने अपने दादा भानु मित्तल की तरह नगीना का नाम रोशन किया है। अब लक्ष्य 2027 राष्ट्रमंडल युवा खेल

पहली बार स्वर्ण अक्षरों में नाम दर्ज

गोल्ड मेडलिस्ट संस्कार मित्तल व देवांश मित्तल ने गोल्ड मेडल जीतकर नगीना के इतिहास में पहली बार स्वर्ण अक्षरों से अपना नाम दर्ज कराया है, जिसकी बधाई देने वालों का दोनों खिलाड़ियों के घर पर तांता लगा हुआ है।

खानदानी पहलवानी बरकरार

गोल्ड मेडलिस्ट संस्कार मित्तल व देवांश मित्तल ने खानदानी पहलवानी को बरकरार रखा है। दोनों युवा खिलाड़ियों के दादा स्व. भानु मित्तल व पिता पवन मित्तल मुंगरी के चैंपियन और पहलवान रहे हैं।

दोनों गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी संस्कार मित्तल व देवांश मित्तल कहते हैं कि अब उनका सपना अगले वर्ष 2027 में होने वाले राष्ट्रमंडल युवा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीतना है, जिसकी तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी दादी हेमलता मित्तल व कोच के साथ-साथ उनके माता-पिता का आशीर्वाद उनके साथ है।

पार्टी स्थापना दिवस पर मोगा से 'आप' करेगी पंजाब में चुनाव प्रचार का आगाज, केजरीवाल-मान के साथ एक मंच पर दिखेंगे सभी 71 घोषित उम्मीदवार

चंडीगढ़। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले अब सबकी निगाहें 26 नवंबर पर टिक गई हैं। आम आदमी पार्टी अपने 14वें स्थापना दिवस पर मोगा में मेगा रैली करने जा रही है। इस रैली की सबसे खास बात यह होगी कि पार्टी के अब तक घोषित सभी 71 उम्मीदवार एक ही मंच पर नजर आएंगे। उनके साथ आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भी मौजूद रहेंगे। पार्टी इस बड़े आयोजन के जरिए पूरे पंजाब को अपना चुनावी संदेश देने की तैयारी में है। पंजाब की राजनीति में यह पहला बड़ा मौका होगा, जब आप के घोषित 71 उम्मीदवार राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के साथ एक मंच साझा करेंगे। इसके अलावा सभी हल्का इंचार्ज की भी भागीदारी दिखाई देगी। पार्टी के लिए यह आयोजन सिर्फ एक जनसभा नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपने उम्मीदवारों, नेताओं और कार्यकताओं को एक साथ लाने का बड़ा अवसर है। जहां से पूरे पंजाब में सियासी ताकत का संदेश दिया जा सकें। मोगा को इस रैली के लिए चुनने के पीछे भी खास राजनीतिक महत्व है। मालवा के बीच स्थित मोगा पंजाब की बड़ी राजनीतिक रैलियों का पुराना केंद्र रहा है। यहां से लुधियाना, फिरोजपुर, फरीदकोट और



बरनाला जैसे जिलों का संपर्क है। जालंधर के रास्ते दोआबा तक भी इसकी पहुंच है। ऐसे में मोगा की धरती से उठने वाला राजनीतिक संदेश मालवा के साथ दोआबा और माझा तक पहुंचाने की तैयारी है। पंजाब की 117 विधानसभा सीटों में से 69 मालवा, 23 दोआबा और 25 माझा में आती हैं। आम आदमी पार्टी ने अब तक 71 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। मोगा जिले की चारों विधानसभा सीटों पर भी पार्टी अपने उम्मीदवारों के नाम तय कर चुकी है। इससे साफ है कि पार्टी चुनाव से पहले उम्मीदवारों की घोषणा और संगठन की तैयारियों को एक साथ आगे बढ़ा रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने पंजाब की 117 में से 92 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में बनी सरकार अब अपने करीब पांच साल के कामकाज के साथ जनता के सामने जाने की तैयारी कर रही है। मोगा की रैली में इसी कामकाज का रिपोर्ट कार्ड पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई में पंजाब सरकार ने मुफ्त बिजली, आम आदमी क्लीनिक, 10 लाख तक फ्री इलाज, विश्वस्तरीय सरकारी स्कूल और रोजगार से जुड़े फैसलों को अपनी प्रमुख पहलों में रखा है।

26 नवंबर को पार्टी नेतृत्व इन योजनाओं और सरकार की ओर से किए गए कामों का ब्यौरा जनता के सामने रखेगा। इसके साथ ही पंजाब के अगले पांच वर्षों के विकास का रोडमैप भी सामने आने की उम्मीद है। रैली में अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान का एक मंच पर आना भी महत्वपूर्ण होगा।

चंडीगढ़ निगम चुनाव के लिए आप ने जारी की उम्मीदवारों की दूसरी सूची, आठ वार्डों में प्रत्याशियों के नाम घोषित

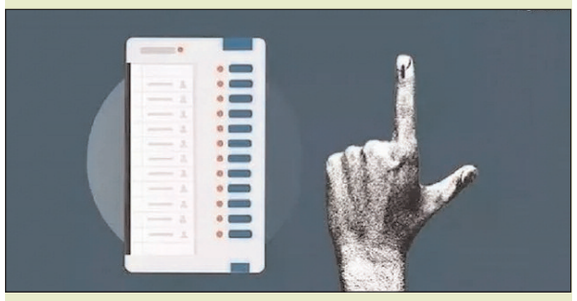

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) ने नगर निगम चुनाव-2026 के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में आठ वार्डों के प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। पार्टी के चंडीगढ़ प्रभारी एवं दिल्ली के विधायक जरनैल सिंह ने सोमवार को उम्मीदवारों की घोषणा की। दूसरी सूची में वार्ड नंबर छह से तलविंदर सिंह, वार्ड आठ से सुखवंत कौर, वार्ड 13 से अंजू सेठी, वार्ड 14 से राम जायसवाल, वार्ड 17 से बिंदु बाला गर्ग, वार्ड 19 से ललित मोहन, वार्ड 26 से सतविंदर कौर और वार्ड 34 से नरेंद्र भाटिया को उम्मीदवार बनाया गया है।जरनैल सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी पूरी मजबूती और रणनीति के साथ नगर निगम चुनाव में उतरेगी। पार्टी ने ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जो जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझते हैं और उनके समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चंडीगढ़ की जनता उसके कुशासन से परेशान है और इस बार बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य चंडीगढ़ को बेहतर, स्वच्छ और विकसित शहर बनाना है। चुनाव में जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा और सभी वार्डों में मजबूती से मुकाबला किया जाएगा। आप चंडीगढ़ के प्रधान विजय पाल सिंह और प्रेम गर्ग ने दूसरी सूची जारी होने पर खुशी जताई। उन्होंने पार्टी नेतृत्व और वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर उम्मीदवारों की जीत के लिए काम करेंगे। उन्होंने दावा किया कि इस बार नगर निगम में पार्टी मजबूत प्रदर्शन करेगी और जनता के सहयोग से अपना मेयर बनाने में सफल होगी।

पीसीएस परीक्षा विवादः यूथ कांग्रेस अध्यक्ष की गिरफ्तारी पर बवाल, वाटर कैनन से पुलिस ने रोका सीएम आवास मार्च

चंडीगढ़। पंजाब लोक सेवा आयोग (पीपीएससी) की परीक्षा से जुड़े मामले में यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शुभम शर्मा और उनके साथियों की गिरफ्तारी के विरोध में पंजाब कांग्रेस ने सोमवार को चंडीगढ़ में प्रदर्शन किया। पंजाब यूथ कांग्रेस ने परीक्षा मामले, युवाओं के भविष्य, नशे और प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनके इस्तीफे की मांग की।

इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की अगुवाई में पंजाब कांग्रेस भवन, सेक्टर-15 में प्रेस कांफ्रेंस के बाद विरोध प्रदर्शन किया गया। इसमें पंजाब यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों, विभिन्न जिलों के अध्यक्षों, नेताओं और कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर विरोध मार्च निकालने का ऐलान भी किया गया।सुरक्षाकर्मियों से उलझते हुए युवा कांग्रेस के नेता।

पंजाब में तानाशाही का माहौल

उदय भानु चिब ने कहा कि पीपीएससी परीक्षा मामले में युवाओं की आवाज उठाने वाले यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शुभम शुभ और उनके साथियों को



गिरफ्तार कर जेल में डालना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान सरकार युवाओं की आवाज दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है।पंजाब में तानाशाही का माहौल बनाया जा रहा है और गिरफ्तारियों के जरिए युवाओं को डराने की कोशिश हो रही है। चिब ने मामले की सीबीआई जांच करवाने की मांग करते हुए कहा कि पीपीएससी परीक्षा से जुड़े विवाद का सच सामने आना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस्तीफा मांगा और कहा कि जब दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठ सकती है तो पंजाब के मुख्यमंत्री जवाबदेही से क्यों बच रहे हैं।यूथ कांग्रेस का सड़कों पर संघर्ष उन्होंने कहा कि शुभम शर्मा पंजाब के युवाओं के भविष्य के लिए जेल गए हैं और कांग्रेस युवाओं, आम लोगों के अधिकारों व हितों के लिए लगातार सड़कों पर संघर्ष करती रहेगी। प्रदर्शन में युवा नेता जोली जलालपुर सहित कई जिला पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

पंजाब यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए पंजाब कांग्रेस भवन और आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। यूथ कांग्रेस नेताओं को पंजाब मुख्यमंत्री निवास की तरफ कुछ करने से भी रोक दिया गया। पुलिस की ओर से वाटर कैनन और बैरिकेट्स भी लगाए गए हैं।

पिता आर्मी स्टेशन में माली; बेटी ने पास की एनडीए की परीक्षा, मोहाली का माई भागो AFPI बेटियों को बना रहा अफसर



पंजाब सरकार ने इन सपनों को उड़ान देने के लिए ऐसी व्यवस्था बनाई है, जहां बेटियों को सैन्य अधिकारी बनने के लिए पढ़ाई से लेकर शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण तक की सुविधाएं मिल रही हैं।इन बेटियों में 17 वर्षीय खुशी की कहानी कुछ खास है। ब्यास की रहने वाली खुशी के पिता विजय कुमार पठानकोट के सैन्य स्टेशन में माली हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवार में पली-बढ़ी खुशी ने बचपन से ही सेना में अधिकारी बनने का सपना देखा।सैन्य स्टेशन के आसपास सैन्यकर्मियों को देखकर उसके मन में भी वर्दी पहनने की इच्छा मजबूत होती गई। पिता ने सेना के अधिकारियों की मदद से उसका दाखिला आर्मी पब्लिक स्कूल में कराया। बाद में इंटरनेट मीडिया के माध्यम से उसे मोहाली के माई भागो आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के बारे में जानकारी मिली।

उसने प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार की चुनौती पार कर यहां दाखिला लिया। अब वह एनडीए की लिखित परीक्षा पास करने के बाद एसएसबी की तैयारी कर रही है। खुशी उन बेटियों का उदाहरण है, जिनके लिए परिवार की आर्थिक स्थिति सपनों की सीमा तय नहीं कर पाई। सही अवसर और मार्गदर्शन मिलने पर वे भी सैन्य नेतृत्व की राह पर आगे बढ़ सकती हैं।

संस्थान के निदेशक मेजर जनरल जसबीर सिंह संधू बताते हैं कि पंजाब सरकार ने वर्ष 2015 में वीरांगना माई भागो के नाम पर मोहाली के सेक्टर-66 में इस संस्थान की स्थापना की थी। उद्देश्य प्रदेश की बेटियों को सैन्य सेवाओं में कमीशंड अधिकारी बनने के लिए तैयार करना है। फिलहाल यहां 115 छात्राएं प्रशिक्षण ले रही हैं।सरकार उनके रहने, खाने, वर्दी और प्रशिक्षण का खर्च उठाती है। स्कूल और कालेज की फीस अलग से देनी होती है। इससे किसान, सरकारी कर्मचारी और सामान्य आय वाले परिवारों की बेटियों को भी सैन्य अधिकारी बनने की तैयारी का अवसर मिल रहा है। माझा, मालवा और दोआबा के गांवों तथा शहरों से आई छात्राएं यहां एक ही लक्ष्य के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं। इन बेटियों की दिनचर्या किसी सैन्य प्रशिक्षण केंद्र से कम नहीं। सुबह पांच बजे दौड़ और शारीरिक अभ्यास से दिन शुरू होता है। इसके बाद स्कूल या कालेज की पढ़ाई, ड्रिल, खेल, तैराकी और निशानेबाजी का प्रशिक्षण होता है। शाम को सैन्य अभ्यास और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बाद रात 11 बजे तक पढ़ाई जारी रहती है। रात 10 बजे के बाद मोबाइल फोन का इस्तेमाल बंद कर दिया जाता है।एनडीए विंग में 10वीं के बाद प्रवेश लेने वाली 40 छात्राएं डून इंटरनेशनल स्कूल, मोहाली से नान-मेडिकल विषयों में 11वीं और 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही हैं। वहीं 75 छात्राएं ग्रेजुएट विंग में हैं।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर चंडीगढ़ में लगा तस्वीरों का लंगर, युवा पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने की पहल

चंडीगढ़। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर सेक्टर-34 में श्रद्धा और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां जितेंद्र सिंह दादरा की ओर से हर वर्ष की परंपरा को निभाते हुए गुरु का लंगर आयोजित किया गया। इस बार लंगर में प्रसाद के साथ गुरु नानक देव की तस्वीरों का भी वितरण किया गया, ताकि युवा पीढ़ी और बच्चों को अपने गुरुओं के इतिहास और विरासत से जोड़ा जा सके। जितेंद्र सिंह ने बताया कि गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर वह हर वर्ष लंगर का आयोजन करते हैं। उनका उद्देश्य केवल संगत को प्रसाद वितरित करना ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को सिख गुरुओं के जीवन, शिक्षाओं और महान इतिहास के प्रति जागरूक करना भी है।उन्होंने कहा कि आज के बच्चों और युवाओं को अपनी संस्कृति, परंपराओं और गुरुओं के इतिहास से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। इसी सोच के तहत इस वर्ष प्रसाद के साथ गुरु नानक देव की तस्वीरें भी वितरित की गईं, ताकि लोग उन्हें अपने घरों में सस्मान रख सकें और उनके संदेशों को याद रख सकें।कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने लंगर ग्रहण किया और गुरु नानक देव के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। सेवा, समानता और मानवता का संदेश देने वाले गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर आयोजित यह पहल धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक जागरूकता का भी संदेश देती नजर आई।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर चंडीगढ़ में लगा तस्वीरों का लंगर, युवा पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने की पहल



चंडीगढ़। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर सेक्टर-34 में श्रद्धा और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां जितेंद्र सिंह दादरा की ओर से हर वर्ष की परंपरा को निभाते हुए गुरु का लंगर आयोजित किया गया। इस बार लंगर में प्रसाद के साथ गुरु नानक देव की तस्वीरों का भी वितरण किया गया, ताकि युवा पीढ़ी और बच्चों को अपने गुरुओं के इतिहास और विरासत से जोड़ा जा सके। जितेंद्र सिंह ने बताया कि गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर वह हर वर्ष लंगर का आयोजन करते हैं। उनका उद्देश्य केवल संगत को प्रसाद वितरित करना ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को सिख गुरुओं के जीवन, शिक्षाओं और महान इतिहास के प्रति जागरूक करना भी है।उन्होंने कहा कि आज के बच्चों और युवाओं को अपनी संस्कृति, परंपराओं और गुरुओं के इतिहास से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। इसी सोच के तहत इस वर्ष प्रसाद के साथ गुरु नानक देव की तस्वीरें भी वितरित की गईं, ताकि लोग उन्हें अपने घरों में सस्मान रख सकें और उनके संदेशों को याद रख सकें।कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने लंगर ग्रहण किया और गुरु नानक देव के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। सेवा, समानता और मानवता का संदेश देने वाले गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर आयोजित यह पहल धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक जागरूकता का भी संदेश देती नजर आई।

राजा वड़िंग के कार्यकाल में सस्पेंड हुए पूर्व एमएलए मदनलाल की कांग्रेस में वापसी, परगट सिंह ने रद किया निलंबन



चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस ने पूर्व विधायक मदन लाल जलालपुर का तीन साल का निलंबन रद्द कर दिया है। उनका ये निलंबर मौजूदा प्रधान परगट सिंह ने किया। इसके साथ ही उनकी पार्टी में भी वापसी हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह ने जलालपुर से मुलाकात कर उनकी वापसी का स्वागत किया।

पंजाब कांग्रेस के इस कदम को विधानसभा चुनाव 2027 के साथ जोड़ कर देखा जा रहा है। चुनाव से पहले पार्टी में नेताओं को साथ जोड़ने और एकजुटता मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मदन लाल जलालपुर को इसी साल अगस्त में पार्टी विरोधी गतिविधियों और वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी के आरोपों में निलंबित किया गया था।

भूपेश बघेल के खिलाफ की थी टिप्पणी

मदन लाल जलालपुर ने इसी साल पंजाब कांग्रेस में पैदा हुए विवाद के बीच INC महासचिव केसी वेणुगोपाल और पंजाब तत्कालीन प्रभारी भूपेश बघेल के खिलाफ टिप्पणी की थी। इसी कथित टिप्पणियों को लेकर कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी हुआ था। उनका जवाब उपयुक्त न पाए जाने के कारण उन्हें तीन साल के निलंबित कर दिया गया था।चन्नी उतरे थे समर्थन में

निलंबन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने जलालपुर के समर्थन में आवाज उठाई थी और कार्रवाई वापस लेने की मांग की थी। अब निलंबन रद्द होने के बाद उनकी कांग्रेस में वापसी से पार्टी के भीतर पुराने मतभेद दूर करने और सभी नेताओं को साथ लेकर चलने की कोशिशों को बल मिलने की उम्मीद है। घनौर से रह चुके विधायक

मदन लाल जलालपुर पटियाला जिले की घनौर विधानसभा सीट से कांग्रेस के प्रमुख ग्रामीण नेताओं में गिने जाते हैं। उनका राजनीतिक सफर 2007 में शुरू हुआ, जब उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़कर 35,006 वोटों के साथ जीत दर्ज की और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। 2012 में कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन शिरोमणि अकाली दल की हरप्रीत कौर मुखमेलपुर से 1,778 वोटों के मामूली अंतर से हार गए।

2017 में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 65,965 वोट हासिल किए और विधायक बने। 2022 में कांग्रेस ने फिर उन्हें उम्मीदवार बनाया, लेकिन आम आदमी पार्टी के गुरलाल घनौर से 31,765 वोटों के अंतर से हार गए। जलालपुर घनौर क्षेत्र में मजबूत ग्रामीण जनाधार वाले नेता माने जाते हैं।

भाजपा ने बनाई समिति, केवल ढिल्लों करेंगे अगुवाई; दिग्गज नेताओं को मिली जिम्मेदारी

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को तेज करते हुए भाजपा ने सोमवार को प्रदेश चुनाव समिति का गठन कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों की ओर से घोषित इस समिति में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व प्रदेश अध्यक्षों, पूर्व केंद्रीय मंत्रियों और पंजाब के प्रमुख राजनीतिक चेहरों को शामिल किया गया है। समिति की अगुवाई खुद केवल सिंह ढिल्लों करेंगे। इसके गठन को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की संगठनात्मक और राजनीतिक रणनीति तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। घोषित चुनाव समिति में मनप्रीत बादल, तरुण चुग, अश्वनी शर्मा, सुनील जाखड़, अविनाश राय खन्ना, मनोरंजन कालिया, इंजीनियर श्वेत मलिक, मंत्री श्रीनिवासुलु, विजय सांपला, परनीत कौर, मनजीत सिंह मन्ना, रवनीत सिंह बिट्टू, राणा गुरमीत

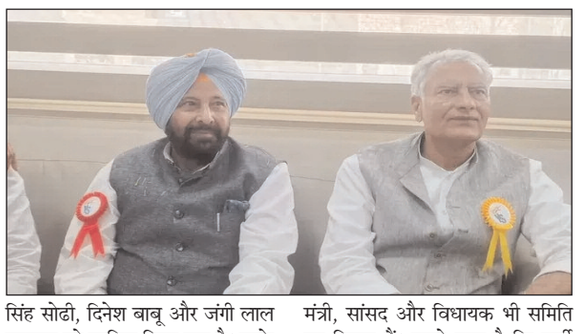

सिंह सोढी, दिनेश बाबू और जंगी लाल महाजन को शामिल किया गया है। इनके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय नेता डॉ. सतीश पूनिया, वीरेंद्र सचदेवा और डॉ. अलका गुर्जर को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।समिति में कई ऐसे नेताओं को जगह दी गई है जो पहले पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद और विधायक भी समिति का हिस्सा हैं। इससे स्पष्ट है कि पार्टी चुनावी रणनीति बनाने में अपने अनुभवी नेताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण मान रही है। एक दिन पहले बनाई थी ज्वाइनिंग कमेटी चुनाव समिति के गठन से एक दिन पहले भाजपा ने प्रदेश में दूसरी पार्टियों के नेताओं को अपने साथ जोड़ने के लिए ज्वाइनिंग कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी में जंगी लाल महाजन को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई थी। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि आम आदमी पार्टी के पूर्व राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक को भी भाजपा में शामिल करने और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने की संभावनाओं पर नजर रखी जा रही है।

हालांकि, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।भाजपा का संगठन विस्तार

लगातार दो दिनों में चुनाव समिति और ज्वाइनिंग कमेटी का गठन बताता है कि भाजपा ने पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन विस्तार और चुनावी तैयारी दोनों मोर्चों पर काम तेज कर दिया है। पार्टी की कोशिश दूसरे दलों के प्रभावशाली नेताओं को साथ जोड़ने के साथ अपने मौजूदा संगठन को भी चुनाव के लिए सक्रिय करने की है।

कनाडा से मोहभंग! भारतीय छात्रों की संख्या 10 साल के निचले स्तर पर पहुंचने की आशंका, सख्त नीतियां बनी कारण

चंडीगढ़। विदेश में पढ़ाई और बेहतर रोजगार के सपने लेकर कनाडा जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों का रुझान तेजी से घट रहा है। कभी भारतीय युवाओं की पसंदीदा मंजिल रहे कनाडा में अब स्टडी परमिट हासिल करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। स्थिति यह है कि वर्ष 2026 में भारतीय विद्यार्थियों की संख्या पिछले एक दशक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने की आशंका है। कनाडा की सख्त आव्रजन नीतियां, स्टडी परमिट की सीमा और पढ़ाई के बाद रोजगार हासिल करने के नियमों में बदलाव इसके प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा (आइआरसीसी) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 तक कनाडा में कुल 2,63,340 स्टडी परमिट धारक थे।इनमें भारतीय विद्यार्थियों



की संख्या केवल 51,900 थी। यदि अंतिम तिमाही में भी यही रुझान बना रहा तो वर्ष 2016 के बाद यह सबसे कम वार्षिक आंकड़ा होगा। वर्ष 2016 में 2,64,270 स्टडी परमिट धारकों में 52,620 भारतीय थे। टोरंटो स्थित वैंटेज इमिग्रेशन लॉ के प्रिंसिपल वकील राघव जैन के अनुसार, वर्ष 2017 में भारतीय विद्यार्थियों को 82,935 स्टडी परमिट जारी हुए थे, जबकि कोरोना महामारी से प्रभावित 2020 में भी यह संख्या 80,870 रही थी। वर्ष 2023 में कनाडा में कुल 6,80,620 स्टडी परमिट धारकों में 2,77,135 भारतीय थे। इसके बाद गिरावट शुरू हुई। वर्ष 2024 में 5,14,570 कुल परमिट में भारतीयों की संख्या 1,88,110 रही, जबकि 2025 में कुल 3,80,175 परमिट धारकों में केवल 93,660 भारतीय थे। अब सितंबर 2026 तक यह संख्या 51,900 रह गई है। रोजगार के अवसरों पर भी सख्ती जैन के मुताबिक, भारतीय विद्यार्थियों की संख्या घटने के पीछे कनाडा की सख्त आव्रजन नीतियों के साथ वहां पढ़ाई के बाद रोजगार की संभावनाएं कम होना भी बड़ा कारण है। कनाडा ने स्नातकोत्तर कार्य परमिट की पात्रता कड़ी कर दी है। सार्वजनिक-निजी साझेदारी वाले कालेजों के स्नातकों के लिए नियम सख्त किए गए हैं। इसके अलावा भाषा और अध्ययन के विषय से जुड़ी अतिरिक्त शर्तें भी लागू की गई हैं।

बिहार में नीतीश कुमार के नाम पर पुल, पंजाब के मंत्री ने जताई आपत्ति, कहा- गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर हो नामकरण

चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने बिहार की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल का नाम श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के बजाय पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर रखने के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि पुल का नाम नीतीश सेतु रखना सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। ईटीओ ने कहा कि बिहार सरकार ने पहले पुल का नाम सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के नाम पर रखने का प्रस्ताव स्वीकार किया था।पुल सिखों के पवित्र स्थल तख्त श्री पटना साहिब के बिल्कुल निकट स्थित है। इसके बावजूद बाद में इसका नाम एक राजनीतिक नेता के नाम पर रखने का फैसला किया गया। मंत्री ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं के प्रति सरकार की उदासीनता दशार्ता है।उन्होंने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने मानवता, धर्म, बलिदान और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए अतुलनीय योगदान दिया। उनकी विरासत सिख समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। ऐसे महान गुरु को उचित सम्मान देना सभी की जिम्मेदारी है।

'इतने महीनों तक क्या करते रहे?', अमृतपाल से जुड़े अजनाला केस में देरी से चुनौती देने पर हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को लगाई फटकार

चंडीगढ़। अमृतसर के अजनाला पुलिस थाने पर हुए हमले के बहुचर्चित मामले में पंजाब सरकार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की नाराजगी का सामना करना पड़ा। सांसद अमृतपाल सिंह समेत दर्जनों आरोपितों के खिलाफ चल रहे मुकदमे में ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने में हुई देरी पर हाईकोर्ट ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।

अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पंजाब सरकार इस मामले के ट्रायल को लटकाना चाहती है। यह बेहद गंभीर और महत्वपूर्ण मामला है, इसके बावजूद सरकार की ओर से अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही।18 अगस्त के आदेश को नवंबर में दी चुनौती

मामले में ट्रायल कोर्ट ने 18 अगस्त को आदेश पारित किया था। पंजाब सरकार ने इस आदेश को चुनौती देने के लिए नवंबर में हाईकोर्ट का रुख किया। आदेश को चुनौती देने में करीब तीन महीने की देरी पर हाईकोर्ट ने सवाल उठाया कि आखिर सरकार इतने महीनों तक क्या करती रही? जब मामला इतना संवेदनशील और गंभीर है तो समय रहते आदेश को चुनौती क्यों नहीं दी गई?31 दिसंबर तक ट्रायल पूरा करने का दिया हवाला

सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार की ओर से दलील दी गई कि मामले का ट्रायल पूरा करने के लिए पहले ही 31 दिसंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। ऐसे में सरकार को अपनी याचिका पर सुनवाई की अनुमति दी जाए। सरकार ने यह विकल्प भी रखा कि याचिका को हाईकोर्ट की उसी पीठ के समक्ष भेज दिया जाए, जिसने पहले ट्रायल 31 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए थे।जुमार्ना लगाने की चेतावनी के बाद यू-टर्न



सरकार की दलीलों पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया। अदालत ने सरकार की अर्जी खारिज करने के साथ उस पर भारी जुमार्ना लगाने की चेतावनी तक दे दी। इसके बाद सरकार की ओर से बिना शर्त माफी मांगते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति देने का आग्रह किया गया।

हाईकोर्ट ने सरकार के इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए बिना कोई प्रतिकूल आदेश पारित किए याचिका वापस लेने की छूट दे दी। इसके बाद पंजाब सरकार ने अपनी याचिका वापस ले ली। परिणामस्वरूप हाईकोर्ट ने याचिका को वापस लिए जाने के आधार पर खारिज कर दिया।

सीडीआर रिकॉर्ड पहले ही ट्रायल कोर्ट में पेश

गौरतलब है कि इस मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) पहले ही ट्रायल कोर्ट में पेश किया जा चुका है। अब केवल भारती एयरटेल लिमिटेड और रिलायंस इन्फोकॉम लिमिटेड के नोडल अधिकारियों को रिकॉर्ड की पुष्टि के लिए अदालत में बुलाया जाना था। ऐसे में सरकार की ओर से ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने में हुई देरी पर हाईकोर्ट की नाराजगी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।अदालत की टिप्पणी से साफ है कि अजनाला थाने पर हमले जैसे गंभीर मामले में मुकदमे की समयबद्ध सुनवाई को लेकर हाईकोर्ट विशेष रूप से गंभीर है।

करोड़ों के फ्लैट, बुनियादी सुविधाएं नहीं; मोहाली के जीरकपुर में एवी इंफ्राटेक सोसायटी में हजारों परिवार परेशान

मोहाली। जीरकपुर स्थित एवी इंफ्राटेक सोसायटी में करोड़ों रुपये के फ्लैट्स हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाएं न होने से हजारों परिवार परेशान हैं। ऐसे में सोसायटी में रहने वालों और प्रबंधन के बीच नाराजगी बढ़ रही है। लोगों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन नियमित रूप से मेंटेनेंस शुल्क वसूलने के बावजूद जरूरी सुविधाएं नहीं दे रहा। उनका कहना है कि बिजली गुल होने पर बैकअप के लिए सोसायटी के जेनरेटर को चलाने के वास्ते पर्याप्त डीजल भी उपलब्ध नहीं है। निवासियों के मुताबिक, जेनरेटर नहीं चलने की स्थिति में बिजली आपूर्ति बाधित होने पर लिफ्ट और पानी की सप्लाई समेत जरूरी व्यवस्थाएं प्रभावित हो सकती हैं। इससे बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को अधिक परेशानी होगी। उन्होंने सवाल किया कि हर महीने वसूले जा रहे मेंटेनेंस शुल्क का उपयोग कहां हो रहा है।निवासियों की एक अन्य



शिकायत है कि सोसायटी में पांच साल से अधिक समय बीतने के बाद भी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) का गठन नहीं हुआ। उनका आरोप है कि प्रबंधन उन्हें सामूहिक रूप से समस्याएं उठाने और प्रतिनिधि चुनने का अवसर नहीं दे रहा। निवासियों ने मेंटेनेंस शुल्क का पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक करने, आरडब्ल्यूए गठन की प्रक्रिया शुरू करने, जेनरेटर के लिए पर्याप्त डीजल देने और बुनियादी सुविधाएं नियमित रखने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द सुधार नहीं हुआ तो वे संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत करेंगे और लोकतांत्रिक व कानूनी तरीके से विरोध करेंगे। उनका कहना है कि शुल्क देने वालों को सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन मिलना उनका अधिकार है।

इस खास वजह से होती है अंगुलियों में सूजन

क्या है इलाज और सावधानियां

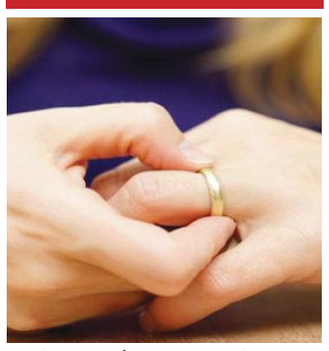

शरीर के किसी हिस्से में अगर सूजन है तो यह बड़ी परेशानी का संकेत हो सकता है। शरीर के अलग-अलग अंगों में सूजन कई बीमारियों का लक्षण हो सकती है। विभिन्न हिस्सों में सूजन के जरिए ही रोग अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। आमतौर पर पैरों के पंजे या अंगुलियों में सूजन ज्यादा रहती है। इसे चिकित्सा की भाषा में डेक्टलाइटिस कहते हैं।

किसी भी बीमारी या चोट को लेकर मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया देती है। इसी प्रतिक्रिया के तहत सूजन होती है। सूजन के अलावा दर्द भी हो सकता है या फिर कोई अन्य लक्षण नजर आ सकते हैं। डेक्टलाइटिस एक ऐसी ही सूजन है जो कि अंगुलियों या पैरों के पंजों में होती है और कई स्थिति में पूरे पैर या हाथ पर भी फैल सकती है। इससे अंगुलियां फूल सकती हैं। डेक्टलाइटिस की समस्या किसी प्रतिरक्षा प्रणाली के बदलाव के अलावा संक्रमण का कारण भी हो सकती है। इस स्थिति में प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ ऊतकों पर हमला कर देती है। यह किसी ऑटोइम्यून डिसऑर्डर के कारण हो सकता है। कई बार मरीज अंगुलियों में सूजन को नजरअंदाज कर देते हैं और उसे सामान्य समझकर टाल देते हैं। लेकिन ऐसा करने पर यह संक्रमण हड्डियों तक पहुंच जाता है। किसी भी स्थिति में चिकित्सक की सलाह के बिना सूजन उतारने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। आमतौर पर लोग मालिश करने लगते हैं, या लेप लगाने लगते हैं। ऐसी जगहों पर बेवजह दबाव डालने से बचना जरूरी है। इस सूजन के आम कारणों में से एक है सिकल सेल डिसीज। यह लाल रक्त कोशिकाओं से जुड़ी एक जेनेटिक समस्या है। ये कोशिकाएं वैसे तो डिस्क के आकार की होती हैं लेकिन सिकल सेल डिसीज में इसका आकार घुमावदार होता है। बच्चों में खासकर डेक्टलाइटिस के शुरुआती लक्षण के रूप में उभर सकता है। इसके साथ ही दर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। यह छह महीने के बच्चे को भी हो सकता है।

टीबी के कारण भी डेक्टलाइटिस की समस्या उभर सकती है। इस स्थिति में फेफड़ों में सूजन आती है लेकिन कई बार हड्डियों में सूजन की वजह भी बन सकता है। इससे अंगुलियां सूज जाती हैं।

सूजन का कारण विशेष प्रकार के आर्थराइटिस के कारण भी हो सकता है

इस रोग के लिए त्वचा संबंधित संक्रमण भी कई बार अंगुलियों में सूजन का कारण बन सकते हैं। यह त्वचा की निचली परत ही नहीं, हड्डियों तक पहुंच जाते हैं। एक अन्य कारण में सारकॉइडोसिस भी शामिल है जो कि एक ऑटोइम्यून डिसीज है। इसके कारण लिवर, दिल, फेफड़ों और अन्य अंगों पर प्रभाव पड़ता है। यह जानलेवा भी हो सकती। हड्डियों के अलावा मांसपेशियां भी प्रभावित हो सकती है। अगुलियों में सूजन का कारण विशेष प्रकार के आर्थराइटिस के कारण भी हो सकता है। यह सराइटिक आर्थराटिस में ज्यादा देखने को मिलता है। इस तरह की सूजन से आर्थराइटिस के निदान में चिकित्सकों को मदद मिलती है। इस बीमारी को लेकर इलाज और सावधानियां समझ लेना जरूरी हैं। इसके लिए दवाइयों के अलावा फिजियोथैरेपी काम आएगी। साथ ही खानपान और लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है। इस बात का ध्यान रखें कि सूजन किसी बीमारी का संकेत हो सकता है इसलिए नजरअंदाज करने की बजाए डॉक्टर से परामर्श जरूर लेना चाहिए।

रेसिपी



कॉर्न बिरयानी

सामग्री

■ डेढ़ कप कॉर्न ■ 3 कप बासमती चावल ■ लंबाई में कटे हुए 2 बड़े प्याज ■ 3 बारीक कटे टमाटर ■ 2 टीस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट ■ 6 बारीक कटी हरी मिर्च ■ 4 टेबलस्पून तेल ■ 4 टेबलस्पून घी ■ 200 ग्राम दही ■ 750 मिली पानी ■ स्वादानुसार नमक ■ 2 टीस्पून मिर्च पाउडर ■ 1/4 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/4 कप बारीक कटा हरा धनिया ■ 1/4 कप मिंट की पत्तियां ■ 2 टुकड़े दालचीनी ■ 5 लौंग ■ 3 इलायची

विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगो कर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

रेसिपी

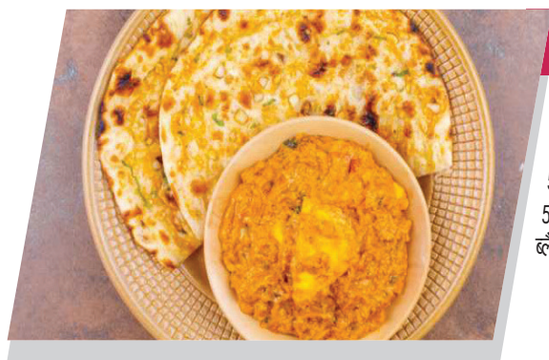

ऑलिव नॉन

सामग्री

■ 300 ग्राम मैदा ■ 100 मिलीलीटर मिल्क ■ 50 मिलीलीटर पानी ■ 50 ग्राम पिघला हुआ बटर, 5 ग्राम नमक ■ 50 ग्राम ग्रीन ऑलिव ■ 30 ग्राम ब्लैक ऑलिव ■ 3 ग्राम ऑरगेनो

विधि

एक बोल में मैदा, नमक, मिल्क, बटर, ऑरगेनो और पानी डालकर अच्छी तरह गूंथे। अब लगभग 60 ग्राम आटा लेकर आटे की बॉल्स तैयार करें और उस पर ऑयल से ब्रेश करें।सभी बॉल्स को ट्रांसपेरेंट प्लास्टिक से रैप करें और फ्रिज में लगभग 7-8 घंटे के लिए रख दें। फ्रिज से बॉल्स निकालकर रूम टेम्प्रेचर पर करीब 40-50 मिनट के लिए रखें। अब एक-एक कर बॉल को बेल लें और नान का शेप दें। ऊपर से बारीक कटे हुए ग्रीन और ब्लैक ऑलिव्स काटकर फैलाएं। गर्म तंदूर में नान को अच्छी तरह सेंक लें। अब तैयार ऑलिव नान पर बटर से ब्रशिंग कर सर्व करें।

बीमारी के कारण पुरुषों में खुदकुशी का खतरा अधिक



माना जाता है कि शारीरिक रोगों से पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अधिक परेशान रहती हैं। लेकिन, एक नए अध्ययन में पता चला है कि शारीरिक बीमारी और चोट से पुरुष अधिक परेशान होते हैं। रोगों के चलते उनमें आत्महत्या करने का खतरा बढ़ जाता है। जबकि महिलाओं के साथ ऐसा नहीं होता। यह अध्ययन जेएएमए साइकाइट्री नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं द्वारा यह अध्ययन किया गया। उन्होंने डेनमार्क के लोगों का डाटा लिया और मशीन लर्निंग सिस्टम से आत्महत्या के जोखिम कारक का पता लगाने के लिए उसका विश्लेषण किया। एपिडेमिओलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक डॉ. जैमी ग्रेडस ने कहा कि आत्महत्या का अनुमान लगाना अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक आत्महत्या हर एक के जीवन के अलग-अलग जोखिम कारकों का परिणाम है। डॉ. ग्रेडस और उनके सहयोगियों ने 14,103 उन लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड में हजारों कारकों को देखा, जो 1995 से 2015 के बीच डेनमार्क में आत्महत्या से मरे थे।

दिमागी कसरत के लिए खूब पढ़िए किताबें, जानें क्या कहता है शोध

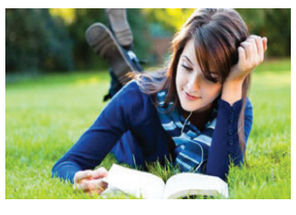

एक अध्ययन में पाया गया है कि किताबें पढ़ना दिमाग के लिए अच्छा होता है। ये आदत दिमाग की कसरत करवाती हैं और मानसिक क्षमता को बढ़ाने का काम करती हैं। यह अध्ययन बर्केले की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया।

शोधकर्ताओं ने कहा कि दिमाग को स्वस्थ बनाए रखने के लिए किताबें पढ़ना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि ये बात हम पहले से ही जानते हैं कि पढ़ना से बच्चों का विकास होता है। हालांकि उन्होंने शोध में पाया कि जो बच्चे कम उम्र से ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वे बौद्धिक परीक्षणों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं।

अध्ययन में यह भी पता चला कि पढ़ने से वयस्कों के दिमाग का विकसित होना जारी रहता है। अध्ययन के दौरान, लोगों को पढ़ने के लिए एक किताब दी गई और उनका एमआरआई किया गया। इसमें पता चला कि अलग-अलग तरह की किताबें पढ़ने से मस्तिष्क के विभिन्न हिस्सों का व्यायाम होता है। एक अन्य अध्ययन का कहना है कि जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, वैसे-वैसे पढ़ने से आपकी दिमागी क्षमता कमजोर होने की गति धीमी हो जाती है या फिर रुक जाती है। शोधकर्ताओं ने कहा, किताबों पर अंकित शब्द आपकी मानसिक क्षमता में सुधार कर सकते हैं। शोध के मुताबिक, किताबें केवल आपकी दिमागी क्षमता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि ये आपको एक अच्छा इंसान भी बनाती हैं।शोधकर्ताओं का कहना है कि अधिकतर लोग व्यस्त होने के कारण किताबें नहीं पढ़ पाते। हालांकि, अगर वे किताबें पढ़ने का एक उद्देश्य बना लेंगे तो व्यस्तता में भी समय निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन रोज एक-एक पेज पढ़ने से धीरे-धीरे उनको पूरी किताब पढ़ने की आदत हो जाएगी।

शोध

■ कम उम्र से किताब पढ़ने वाले बच्चों को प्रदर्शन होता है बेहतर।

■ किताबें पढ़ने से मस्तिष्क के हिस्सों का व्यायाम।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन — दी दू थ ज्ञ ञ दे दो चा ची
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 4077

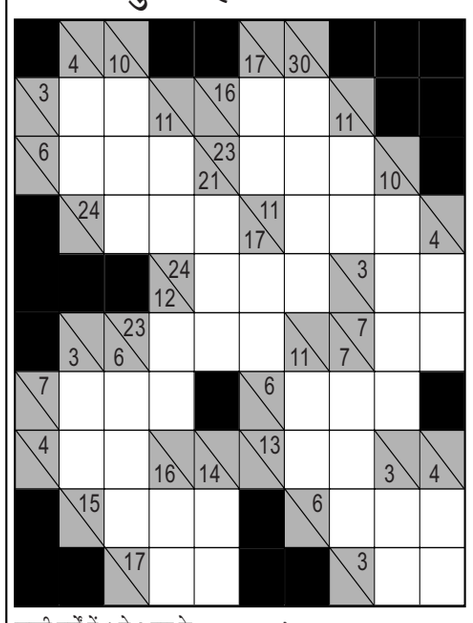

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

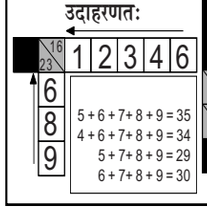

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 4076 का हल

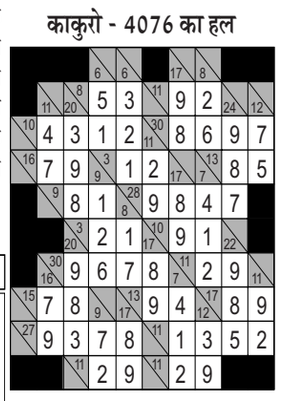

हंसी के फूव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

□ □ □

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

□ □ □

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

□ □ □

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 4077

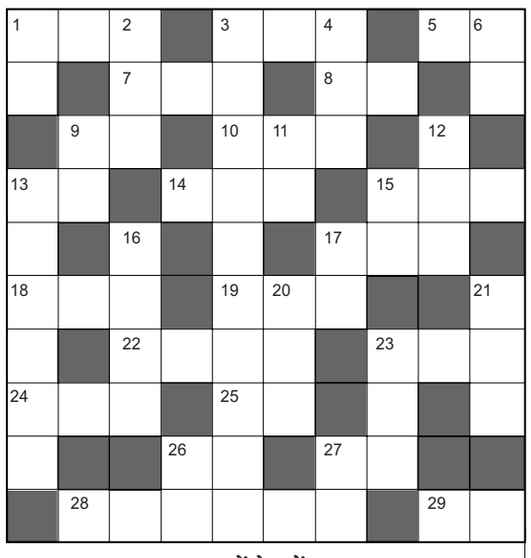

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4076



सूडोकु -4077

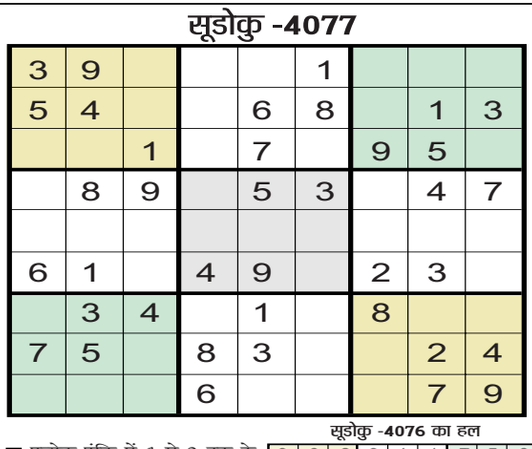

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4076 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4077

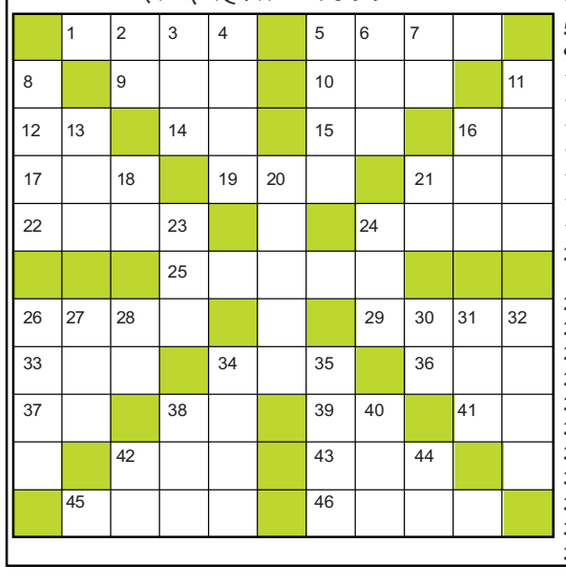

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -4076 का हल





थिएटर और ओटीटी, दोनों की अपनी खूबी

दिव्या इन दिनों अपनी फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में बातचीत में दिव्या ने फिल्म की रिलीज, थिएटर और ओटीटी के अनुभव और अपने करियर से जुड़े कई पहलुओं पर बात की।

ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना ही उद्देश्य
थिएटर में फिल्म रिलीज होने के बाद जब वही फिल्म ओटीटी पर आती है तो उसे नए दर्शक मिलते हैं। क्या दिव्या के लिए भी दोनों माध्यमों का अनुभव अलग है? वह कहती हैं, 'देखिए, असल बात यह है कि आप जितनी ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच सकें, वही आपका मुख्य उद्देश्य होता है। आपने एक फिल्म बनाई है और चाहते हैं कि उसे ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। पहले उसकी लिमिटेड थिएटर रिलीज हुई, लेकिन अब वह ओटीटी पर आ रही है। ऐसे में बहुत सारे लोग अपने समय और अपनी सुविधा के हिसाब से उसे देखेंगे। वे जिसके साथ देखना चाहते हैं, उसके साथ घर पर आराम से बैठकर फिल्म देखेंगे और अपनी प्रतिक्रिया देंगे। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आपका काम देखना चाहिए, यह बहुत जरूरी है। बेशक बड़े पर्दे का अपना जादू है और ओटीटी का अपना। लेकिन मेरे लिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जरूरी यह है कि आपका काम और आपकी कहानी लोगों तक पहुंचे।'

क्या दिव्या भी किसी फिल्म को थिएटर में देखने से चूक जाएं तो उसके ओटीटी पर आने का इंतजार करती हैं?। इस पर वह कहती हैं, 'ऐसा कोई नियम नहीं है। अगर कोई फिल्म मिस हो गई तो बेशक ओटीटी पर आने का इंतजार करते हैं। लेकिन लाइव सिनेमा को कम नहीं आंक सकते। उसका अपना महत्व है। हर कोई उसका इंतजार करता है। वह चाहे बड़ी फिल्म हो, सुपरहिट फिल्म हो या किसी भी तरह की फिल्म हो, जब वह ओटीटी पर आती है तो लोग उसे दोबारा देखते हैं या पहली बार देखते हैं। थिएटर और ओटीटी का यह मेल बहुत खूबसूरत है।'

'चिरैया' के बाद महिलाओं की प्रतिक्रियाएं खास

इस साल दिव्या दत्ता की फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गजब रात' के साथ वेब सीरीज 'चिरैया' को भी दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। खासकर 'चिरैया' देखने के बाद महिलाओं ने उनसे अपने अनुभव साझा किए। वह कहती हैं, 'यह साल टचवुड बहुत अच्छा रहा है। इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए। थिएटर में फिल्में देखने के बाद कई लोग मुझे कहीं भी मिल जाते हैं और अपने अनुभव बताते हैं। 'चिरैया' देखने के बाद लड़कियां जिस तरह मुझसे बात करती हैं, यह बताती हैं कि फिल्म की कहानी ने उन्हें छुआ है और वे उससे खुद को जोड़ पाई हैं, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस साल मुझे बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।'

क्या उन्हें कॉमेडी किरदार निभाने का मौका मिलता है? इस सवाल पर हंसते हुए वह कहती हैं, ''यार, कॉमेडी करना मुझे पसंद है, लेकिन मुझे कोई ऑफर ही नहीं करता।'

हालांकि, दिव्या ने कुछ फिल्मों में कॉमेडी की है। वह बताती हैं, 'मैंने 'चिरैया' में भी थोड़ा कॉमेडी किया है। 'शर्माजी की बेटी' में भी किया है। लेकिन फुल फ्लेज्ड कॉमेडी करने में बड़ा मजा आएगा। मुझे वह पसंद है। अभिनय का मजा ही यही है कि आप अलग-अलग तरह की कहानियां कह रहे हैं और अलग-अलग किरदार निभा रहे हैं। कई बार लगातार इंटेंस सीन करके आते हैं तो मन हल्का करने के लिए एक लाफ्टर बहुत अच्छा लगता है।'

महिलाओं के लिए कॉमेडी के मौके कम हैं

क्या महिला कलाकारों को केंद्र में रखकर कॉमेडी फिल्में कम बनती हैं? इस पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि फिल्म निर्माता ऐसा कुछ सोचकर डरते हैं। लेकिन हमारे यहां फीमेल सेंट्रिक कॉमेडी ज्यादा लिखी नहीं जाती है। यह बात तो फैक्ट है। मैं चाहूंगी कि महिलाओं को केंद्र में रखकर भी ऐसी कॉमेडी फिल्में बनें, जिनमें वे खुलकर हंसें और दर्शकों को भी हंसाएं।'





बेला के किरदार में फिर दिखेंगी अनन्या पांडे

मशहूर निर्देशक करण जौहर आगामी वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन की वापसी के लिए तैयार हैं। मंगलवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर सीरीज की मुख्य अभिनेत्री अनन्या पांडे का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेला (बे) के किरदार में नजर आ रही हैं। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'दिन को जी भरकर जियो, क्योंकि वह फिर से धमाका करने आ गई है। वेब सीरीज 'कॉल मी बे' का नया सीजन 17 दिसंबर से स्ट्रीम होगा।'

करण जौहर ने वेब सीरीज के दूसरे सीजन को वापस लाने को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि नए सीजन में बे (अनन्या के किरदार का नाम) की जिंदगी के अलग-अलग पहलुओं को दिखाया जाएगा, लेकिन पहले सीजन वाला ह्यूमर, इमोशन और मस्ती वाला अंदाज बरकरार रहेगा। उन्होंने प्राइम वीडियो के साथ दोबारा जुड़ने पर खुशी जताई और कहा कि 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) और उसके दोस्तों को एक बार फिर हंसी, इमोशन और धमाल से भरे सफर पर ले जाने के लिए वह काफी उत्साहित हैं।

नए सीजन के बारे में बात करते हुए करण जौहर ने कहा, 'सीजन-1 को मिला प्यार और रिस्पॉन्स इस बात का सबूत है कि दर्शकों ने 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) के उतार-चढ़ाव भरे सफर और उसकी बेबाक जिंदगी से गहरा जुड़ाव महसूस किया। सीजन 2 के साथ हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते थे, 'बे' के नए पहलुओं को दिखाना चाहते थे, लेकिन वो ह्यूमर, दिल और बिंदास अंदाज बरकरार रखना चाहते थे, जिसे सबने खूब पसंद किया था।'



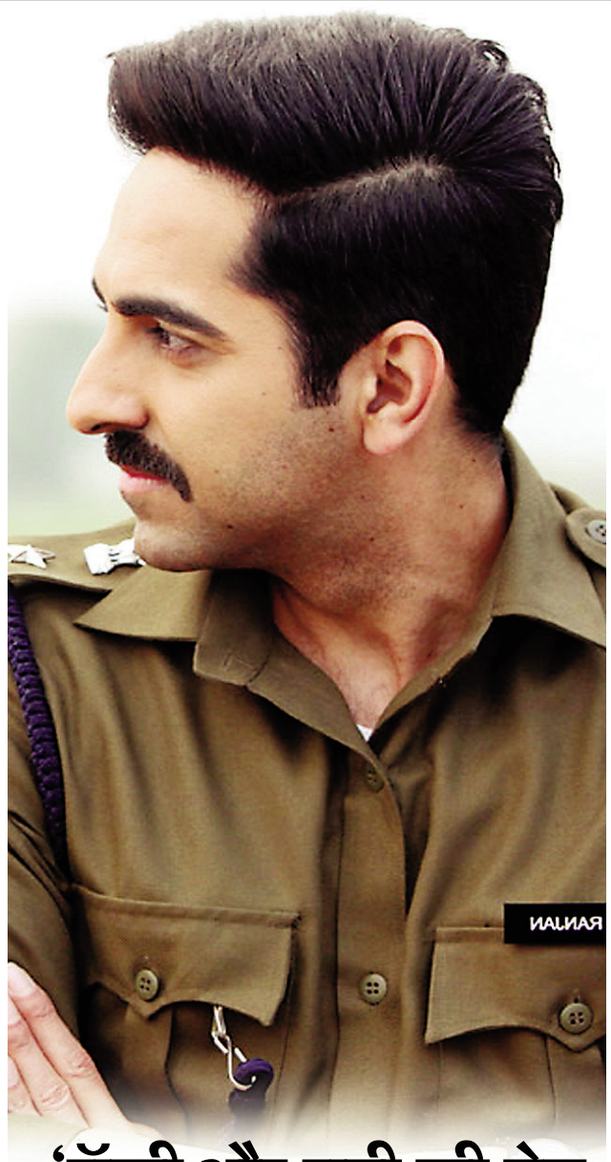

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' और 'यह प्रेम मोल लिया' की तुलना पर बोले आयुष्मान खुराना

हाल ही में फिल्म 'यह प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर लॉन्च हुआ है। इसके बाद से ही फिल्म की तुलना 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से हो रही थी। मगर इस पर फिल्म के अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म करण जौहर की फिल्म से काफी अलग है। मुंबई ने हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान खुराना ने दोनों फिल्मों के बीच का फर्क बताया। उन्होंने कहा, 'यह सूरज बड़जात्या की फिल्म है, और प्रेम एक हरी झंडी है। इस फिल्म (ये प्रेम मोल लिया) में, वह अपनी पत्नी के परिवार के लिए खड़ा होता है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रॉकी का किरदार अलग है। प्रेम उससे बहुत अलग है। आप दोनों की तुलना भी नहीं कर सकते।'

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का बुधवार को ट्रेलर सामने आया। इसमें दिखाया गया कि प्रेम (आयुष्मान खुराना) अपनी परिवार सहित अपनी पत्नी 'पूर्वा' (शरवरी) के घर जाने का फैसला करता है। वहीं 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी कपल शादी से पहले 6 महीने एक दूसरे के घर जाकर रहते हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। इस पौने चार मिनट के ट्रेलर में दिखाया गया है कि आयुष्मान खुराना शरवरी वाघ से शादी करना चाहते हैं। मगर शादी में एक दिक्कत है। शरवरी अपना घर छोड़कर अपने ससुराल नहीं जाना चाहती हैं। उनके मुताबिक उनके घर में सिर्फ महिलाएं ही रहती हैं। सभी की जिम्मेदारी शरवरी पर है। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। शरवरी पहली बार आयुष्मान के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शन्स और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी है।



यशराज बैनर की हॉरर फिल्म में नजर आएंगे वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन को ज्यादातर कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों में देखा गया है। मगर अब वह जल्द हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म से यशराज बैनर जल्द हॉरर वर्ल्ड में एंट्री लेने वाला है। वहीं मेकर्स ने अब तक इस फिल्म के टाइटल से पर्दा नहीं उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आगामी हॉरर फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म साल 31 मार्च 2028 में रिलीज होगी। हालांकि अभी फिल्म की कहानी, पोस्टर, और बाकी की कास्ट की कोई जानकारी मेकर्स द्वारा आधिकारिक रूप से साझा नहीं की गई है। इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अभय पन्नू इससे पहले मशहूर सीरीज 'रॉकेट बॉयज' का भी निर्देशन कर चुके हैं। 'रॉकेट बॉयज' के बाद यह अभय का दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट होगा। वहीं दूसरी तरफ यशराज बैनर भी लगातार नए निर्देशकों के साथ बड़े बजट की फिल्मों का निर्माण कर रहा है।

पहली बार बैनर लेगा हॉरर एंट्री
फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसके जरिए यशराज पहली बार हॉरर जोनर में कदम रखेगा। इससे पहले बैनर ने स्पाई समेत लगभग हर जॉनर में फिल्म बनाई हैं। बताते चलें कि वरुण की यशराज के साथ यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह बैनर के साथ 'सुई धागा' में काम कर चुके हैं।

पिता शाहरुख से तुलना होने पर बोले आर्यन खान

फिल्ममेकर आर्यन खान को 'टाइम 100 नेक्ट इंडिया' के कवर पेज पर जगह मिली है। हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान आर्यन से पिता शाहरुख खान के बारे में सवाल किये गए। उनसे पूछा गया कि पिता सुपरस्टार शाहरुख खान से तुलना पर वह क्या राय रखते हैं?

आर्यन खान ने पिता से उनकी तुलना होने पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, 'हर किसी की उनसे तुलना की गई है। अगर मैं भी उन लोगों में से एक हूं, तो इसमें कोई परेशानी नहीं है। नंबर-1 इंसान से तुलना होना मेरे लिए तारीफ की बात है। वह एक अलग ही शख्सियत हैं।'

अपनी बातचीत में आगे आर्यन खान ने सलमान खान से जुड़ा एक खास किस्सा सुनाया। सलमान खान ने आर्यन की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में कैमियो किया था। इस पर आर्यन ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि सलमान भी उसी लोकेशन पर मौजूद हैं। उन्होंने सलमान की टीम को मैसेज भेजकर पूछा कि क्या आर्यन उनसे मिलने आ सकते हैं, लेकिन सलमान ने खुद आर्यन के सेट पर आने की बात कह दी। इसके बाद उन्होंने अपने सिनेमैटोग्राफर को तैयार रहने कह दिया। जब सलमान आए तब उन्हें वहीं डायलॉग देकर उनका कैमियो शूट कर लिया गया। आर्यन खान के अलावा एक्ट्रेस आलिया भट्ट, पायल कपाड़िया और थेजा रियो इस मैग्जीन के कवर का हिस्सा हैं। वहीं दिलजीत दोसांझ, अनिरुद्ध रविचंदर, सामंथा रुथ प्रभु, साई पल्लवी, विक्की कौशल और वैभव सूर्यवंशी जैसे नाम भी शामिल हैं।



बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं हैं कोमल पावस्कर

मुंबई बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही कोमल पावस्कर ने परफॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपनी एक मजबूत नींव तैयार कर ली है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग और फिल्ममेकिंग की औपचारिक शिक्षा हासिल करने से लेकर डांस के छह अलग-अलग फॉर्म्स में महारत हासिल करने और पारंपरिक परफॉर्मिंग आर्ट्स से आगे बढ़कर कई अन्य कौशल सीखने तक, कोमल का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। गौरतलब है कि थिएटर से उनका जुड़ाव काफी कम उम्र में ही हो गया था। इस अनुभव ने उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस की बारीकियों, अनुशासन और चुनौतियों को समझने का अवसर दिया। एक्टिंग के साथ-साथ कोमल ने छह अलग-अलग डांस फॉर्म्स में ट्रेनिंग ली है, जिनमें जैज फंक, कमर्शियल हिप-हॉप, बेली डांस, कथक, साल्सा और बॉलीवुड डांस शामिल हैं। डांस की इन विविध शैलियों में प्रशिक्षण ने उन्हें मूवमेंट, रिदम और एक्सप्रेशन की बेहतर समझ दी है, जिससे एक परफॉर्मर के तौर पर उनकी नींव और मजबूत हुई है।

कोमल को खास बनाने वाली बात सिर्फ एक्टिंग और डांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसके अलावा भी कई दिलचस्प क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा है। वह राइफल शूटिंग और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित हैं। शूटिंग में जरूरी सटीकता से लेकर घुड़सवारी के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन तक, उनके ये हुनर अलग-अलग विधाओं को सीखने और खुद को लगातार चुनौती देने की उनकी इच्छा को दर्शाते हैं। जहां कई नए कलाकार अपनी डेब्यू फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने आते हैं, वहीं कोमल का सफर उस लंबे अभ्यास और तैयारी की झलक देता है, जो किसी बड़े मौके से पहले की जाती है। कोमल अब फिल्ममेकर विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर इकाई से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें वह राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।